Dr. M. W. P. W. S. College
kamptee road, Nagpur

M.com. II Sem./ Net & Set.
Sub:- Research Methodology
Hindi Medium.
Reference of Book:-
Research Aptitude
अनुसन्धान अभिक्षमता

Subject Teacher :-
Dr. N. S. Bagde

Scanned with CamScanner

अनुसन्धान अभिक्षमता
(Research Aptitude)

अनुसन्धान : अर्थ, विशेषताएँ और प्रकार
(Research : Meaning, Characteristics and Type)

मानव प्रगति में अनुसन्धान का सर्वाधिक महत्त्व रहा है। मानव के समक्ष प्रकृति और समय निरन्तर चुनौतियाँ प्रस्तुत करते रहे हैं। उन्हें दूर करने के लिए मानव तर्क एवं प्रयोग के द्वारा अनुसन्धान कर प्रगति के पथ पर अग्रसर हुआ।

अनुसन्धान का अर्थ (Meaning of Research)

जेम्स ड्रेवर के अनुसार, "किसी क्षेत्र में ज्ञान अथवा सत्यापन हेतु की जाने वाली क्रमबद्ध खोज ही अनुसन्धान है।"

रेडमैन व अन्य के अनुसार, "अनुसन्धान नवीन ज्ञान प्राप्त करने हेतु एक व्यवस्थित प्रयास है।"

ट्रेवर्स के अनुसार, "शैक्षिक अनुसन्धान वह प्रक्रिया है जो शैक्षिक परिस्थितियों में एक व्यवहार सम्बन्धी विज्ञान के विकास की ओर अग्रसर होती है।"

रामेल जे० फ्रांसिस का मानना है कि "अनुसन्धान नवीन सूचनाओं या सम्बन्धों की खोज हेतु सावधानीपूर्वक किया गया शोध व जाँच-पड़ताल है, जो विद्यमान ज्ञान में अभिवृद्धि करती है तथा उसे सत्यापित करती है।"

वेब्स्टर के अन्तर्राष्ट्रीय शब्दकोश के अनुसार, "अनुसन्धान केवल सत्य के लिए खोज मात्र नहीं है अपितु यह दीर्घकालीन सघन और सादृश्य संधान है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अनुसन्धान वह क्रमबद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग द्वारा वर्तमान ज्ञान का परिमार्जन, उसका विकास अथवा किसी नए तथ्य की खोज द्वारा ज्ञानकोष में वृद्धि की जाती है।

अंग्रेजी में अनुसन्धान को 'रिसर्च' कहते हैं, जो दो शब्दों से मिलकर बना है—

Research = Re + Search

'Re' का अंग्रेजी में अर्थ होता है, 'फिर से यानी बार-बार' तथा 'Search' का अर्थ है 'खोजना'। अंग्रेजी का यह शब्द 'रिसर्च' शोध की प्रक्रिया को प्रस्तुत करता है कि शोधकर्ता किसी तथ्य की बार-बार देखता है, जिससे वह उसके सम्बन्ध में प्रदत्तों को एकत्रित करता है और उसके आधार पर निष्कर्ष निकालता है। शोधकार्य द्वारा चरों का सह-सम्बन्ध ज्ञात किया जाता है। प्रयोगात्मक शोध से कारण-प्रभाव, सह-सम्बन्ध तथा सर्वेक्षण शोध कार्य द्वारा सामान्य सह-सम्बन्ध ज्ञात किया जाता है। विकासात्मक शोधकार्यों में चरों की प्रभावशीलता का अध्ययन किया जाता है। ऐतिहासिक शोधकार्यों में नवीन तथ्यों की खोज की जाती है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

परिसंवाद विचारों के आदान-प्रदान और सम्प्रेषण शैली की एक परीक्षा है। परिसंवाद के माध्यम से कोई व्यक्ति सामूहिक स्थिति में किस प्रकार दूसरों से विचार विनिमय कर पाता है। इसी क्षमता को आंका जाता है।

प्रबन्धन संस्थानों तथा नौकरियों की तलाश कर रहे शिक्षार्थियों की सम्प्रेषणशीलता की जाँच करने के लिए परिसंवाद एक सशक्त माध्यम है।

परिसंवाद की प्रक्रिया का लक्ष्य किसी समस्या के विभिन्न पक्षों को समझना होता है। वक्ताओं और श्रोताओं में विचार-गोष्ठी की भाँति प्रत्यक्ष रूप से अन्त:क्रिया नहीं होती है।

परिसंवाद मौलिक रूप से दो प्रकार के होते हैं—

1 पहले प्रकार में ग्रुप को-ऑर्डिनेटर या समूह समन्वयक द्वारा एक विषय दिया जाता है और शिक्षार्थियों से निर्धारित अवधि तक परिचर्चा करने को कहा जाता है।

2 कभी-कभी समूह को एक केस-स्टडी की स्थिति, छपी हुई, दे दी जाती है और अभ्यर्थियों को तीन-चार मिनट का समय इसे पढ़ने व समझने के लिए दे दिया जाता है। इस केस-स्टडी एकल विषय अध्ययन के आधार पर प्रश्नों की चर्चा करनी होती है।

इस प्रकार की सामूहिक परिचर्चा से समन्वयक आवेदकों की सम्प्रेषण कला के साथ विषय की ग्रहणशीलता की जाँच भी कर लेते हैं।

आकलन अभ्यर्थियों के प्रदर्शन का आकलन परिसंवाद के समन्वयक द्वारा किया जाता है।

परिसंवाद का आयोजन निम्न उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है—

- तात्कालिक समस्या के विभिन्न पक्षों की जानकारी तथा उन्हें पहचानने की क्षमताओं का विकास करना।
- किसी प्रकरण के विभिन्न पहलुओं को पहचानना और उन्हें बोधगम्य करना।
- प्रकरण एवं समस्या सम्बन्धी निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।
- छात्रों व भागीदारी में व्यापक दृष्टिकोण का विकास करना।

परिसंवाद के उपयोग का क्षेत्र (Application of Symposium)

इसका उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में उच्च शिक्षा के शिक्षण तथा अनुदेशन के लिए किया जा सकता है। कुछ प्रमुख प्रकरण इस प्रकार हैं—

1 परीक्षा मे वस्तुनिष्ठ एवं निबन्धात्मक प्रश्नों का प्रयोग।

2 शिक्षा में सत्र प्रणाली एवं वार्षिक प्रणाली।

3 छात्रों में अनुदेशनहीनता के कारण।

4 शोधकार्यों में गुणात्मक विकास।

5 छात्र शिक्षण में अध्यापक की उपादेयता।

शोध प्रबन्ध लेखन-इसकी उपयोगिताएँ एवं प्रारूप (Research Work Writing-its Utilities and Format)

शोध प्रबन्ध लेखन प्रस्तुतीकरण अथवा प्रकाशन की प्रक्रिया में कार्य की प्रवृत्ति या प्रस्तुतीकरण के उद्देश्य के अनुकूल विभिन्न नामों-शोध प्रबन्ध और शोध निबन्ध तथा विवरण अथवा लेख आदि के नाम से पुकारा जाता है।

शोध प्रबन्ध लेखन की दो विधियाँ हैं—प्रथम विधि में समस्त सामग्री को परीक्षण समिति के सम्मुख प्रस्तुत करना होता है। दूसरी विधि में यदि उसका सारांश प्रस्तुत किया जाए तो सम्पादकीय बोर्ड के सामने प्रकाशन के उद्देश्य से प्रस्तुत करना होता है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

अन्तर-अनुशासनात्मक अनुसन्धान (Inter-disciplinary Research)

इसका अर्थ है कि प्रत्येक विषय को एक पूर्ण इकाई के रूप में अलग-अलग न लेकर अनेक विषयों (अनुशासन), जिनका ही लक्ष्य है, उन्हें एक समूह में रखा जाए, जिससे छात्रों को अधिकतम लाभ हो और एक समन्वित ज्ञान का विकास हो।

अनुसन्धान में नैतिकता (Morality in Research)

अनुसन्धान प्रक्रिया मे गहन अध्ययन, विवेक एवं समझदारी की आवश्यकता होती है। यह एक लम्बी प्रक्रिया है, अत: इसमें की परम आवश्यकता होती है। इस कार्य को पूर्ण करने के लिए अनावश्यक जल्दी नहीं करनी चाहिए, अपितु समस्या के में तथ्यों की व्यापक खोज करनी चाहिए, न कि जोड़-तोड़ को महत्त्व देना चाहिए। अनुसन्धान के निष्कर्षों की पुष्टि प्रमाण द्वारा की जानी चाहिए। अविवेकपूर्ण और गलत तरीके से इस कार्य को सम्पादित नहीं करना चाहिए, ताकि अनुसन्धान उद्देश्य सही रूप मे पूरे हों।

पेपर लेख, कार्यशाला संगोष्ठी, सम्मेलन एवं प्रारूप/विचार समिति

महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर के शिक्षण के लिए व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च अधिगम प्रोत्साहन नहीं मिलता। उच्च स्तर पर छात्रों में आलोचना, सौन्दर्य अनुभूति, दूसरों के विचारों के लिए सम्मान की भावना, विचारों की प्रस्तुतीकरण, प्रश्न पूछने की क्षमता आदि का विकास होना चाहिए। इसी प्रकरण के सम्बन्ध में अपना दृष्टि तथा अनुभवों को प्रस्तुत करने की क्षमता/योग्यता का विकास किया जाना चाहिए। इन्हीं क्षमताओं और योग्यताओं के विकास लिए विशिष्ट अनुदेशन प्रविधियों का उल्लेख इस भाग में किया गया है।

शोध प्रपत्र (Research Paper)

एक उत्तम प्रकार का शोध प्रपत्र आलोचनात्मक, सृजनात्मक तथा चिन्तन स्तर का कार्य है। इसमें एक विशिष्ट प्रक्रिया अपनाकर समुचित क्रम में कार्य किया जाता है ताकि अनुसन्धानकर्ता की शक्ति तथा समय का न्यूनतम अपव्यय हो।

शोध प्रपत्र के लेखक प्राथमिक एवं गौण स्रोतों की सहायता से अपना कार्य पूरा करते हैं।

शोध प्रपत्र लेखन के क्रम में तथ्य एवं विचारों के अन्तर को ध्यान में रखना होता है। तथ्य को हम सत्य की तरह स्वीकार लेते हैं, इन्हें सिद्ध करने के लिए प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती है। शोध प्रपत्र में अनेक विचारधाराओं तथा निरीक्षणों प्रस्तुत किया जाता है। इसमें किसी प्रकार की आशंका होने पर पुष्टि की जा सकती है। शोधकर्ता को तथ्यों एवं विचारों मिश्रण नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से प्रपत्र का स्तर गिर जाता है।

शोध प्रपत्र का प्रारूप (Format of Research Paper)

शोध प्रपत्र लेखन का कोई निश्चित प्रारूप नहीं होता। शोध प्रपत्रों के अवलोकन एवं अनुभव के आधार पर एक रूपरेखा विकसित की जा सकती है। यह प्रारूप प्रपत्र लिखने मे एक दिशा व प्रवाह के लिए उपयोगी होता है। प्रपत्र तैयार करने के पूर्व प्रमुख बिन्दुओं की एक सूची तैयार करनी चाहिए और उन बिन्दुओं का स्तर तथा क्रम निर्धारित भी कर लेना चाहिए।

शोध प्रपत्र के प्रारूप में तीन प्रमुख बिन्दुओं को सम्मिलित किया जाता है—

1. प्रस्तावना
2. विषयवस्तु, मुख्य अंग तथा
3. शोध के प्रमुख निष्कर्ष

कुछ शोध प्रपत्रों को एक उद्धरण से प्रारम्भ करते हैं, जो शोध से परोक्ष रूप से सम्बन्धित होता है। यह पाठकों में उत्सुकता आकर्षण पैदा करता है। वैज्ञानिक शोध का प्रारम्भ एक सूक्ष्म समीक्षा से किया जाता है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

कार्यशाला का स्रोत (Source of Workshop)

यह शब्द इंजीनियरिंग से लिया गया है, जिसमें व्यक्तियों को कुछ न कुछ कार्य करना पड़ता है।

कार्यशाला के उद्देश्य (Objectives of Workshop)

इस प्रविधि का प्रयोग ज्ञानात्मक तथा उच्च उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है—

1. विषय से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान।
2. किसी विषय की परिस्थितियों के सामाजिक अथवा दार्शनिक पक्ष का विस्तार में विवेचन।
3. समस्या के उद्देश्य एवं विधियों का सामूहिक रूप से निर्धारण।
4. किसी प्रकरण सम्बन्धी स्पष्टीकरण करने व उनके व्यावहारिक पक्ष के महत्त्व को समझना।
5. विशिष्ट व्यावसायिक क्षमता का विकास करना।
6. व्यक्तिगत रूप से भाग लेने तथा कार्य करने की क्षमता का विकास करना।
7. विषय की प्रभावशाली प्रविधियों, विधियों का निर्धारण एवं नए उपागमों का प्रशिक्षण देना।

कार्यशाला का स्वरूप (Format of Workshop)

साधारणत: कार्यशाला का कार्यकाल 3 दिन से 10 दिन तक का होता है।

कार्यशाला की तीन अवस्थाएँ होती हैं—

प्रथम अवस्था इस अवस्था में प्रकरण से सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण एवं स्पष्टीकरण होता है।

द्वितीय अवस्था यह अवस्था तीन दिन से एक सप्ताह तक चलती है। समस्त प्रशिक्षणार्थियों को छोटे समूहों में विभा किया जाता है। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को अपने-अपने कार्य निर्धारण की स्वतन्त्रता दी जाती है। इस अवस्था के अन्तिम च सभी एक साथ मिलते हैं और कार्यों की आख्या प्रस्तुत करके रिपोर्ट तैयार की जाती है।

तृतीय अवस्था यह अनौपचारिक होती है। इसमें प्रशिक्षणार्थी अपने कार्यक्षेत्रों में जाकर कार्यप्रणाली में सुधार करता है। अवस्था को अनुकरण अवस्था भी कहते हैं।

कार्यशाला अनुदेशन एवं अधिगम परिस्थितियों को उत्पन्न करने की एक प्रभावशाली प्रविधि है। इसकी निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- अध्ययन के ज्ञानात्मक एवं क्रियात्मक उच्च उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है।
- अध्ययन के नवीन उपागमों के सैद्धान्तिक तथा क्रियात्मक पक्षों का बोध।
- व्यावसायिक क्षमता का विकास किया जाता है।
- शिक्षण कौशल का विकास किया जाता है।
- समूह में कार्य करने तथा सहयोग की भावना का विकास।
- व्यावसायिक समस्याओं के गहन अध्ययन का अवसर।
- समस्या के समाधान तथा व्यावसायिक कौशलों के विकास के लिए सुझाव व निर्देश।
- नवीन प्रयत्न एवं उपागम से अवगत कराया जाना तथा उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन।

विचारगोष्ठी (Seminar)

विचारगोष्ठी अनुदेशन की ऐसी प्रविधि है, जिससे चिन्तन स्तर के अधिगम के लिए अन्त: प्रक्रिया की परिस्थिति उ... की जा... है। इस प्रविधि को विभिन्न स्तरों पर अनुदेशन परिस्थितियों के लिए प्रयुक्त किया जाता है। यह अधिक सीमित एवं औपचारिक प्रकृति की होती है, जबकि सम्मेलन अधिक विस्तृत एवं अनौपचारिक प्रकृति का होता है। विचारगोष्ठी में परिचर्चा ... में अधिक विषयों पर होती है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

ऐतिहासिक अनुसन्धान (Historical Research)

जॉन डब्ल्यू० बेस्ट के अनुसार, "ऐतिहासिक अनुसन्धान का सम्बन्ध ऐतिहासिक समस्या के वैज्ञानिक विश्लेषण से है। विभिन्न पद भूतकाल के सम्बन्ध में एक नई सूझ पैदा करते हैं, जिसका सम्बन्ध वर्तमान एवं भविष्य से होता है।"

इस ऐतिहासिक अनुसन्धान के मूल उद्देश्य हैं—

- भूत के आधार पर वर्तमान को समझना और भविष्य के लिए सतर्क रहना।
- शिक्षा मनोविज्ञान अथवा सामाजिक विज्ञानों में चिन्तन को नई दिशा देना।
- भूतकालीन तथ्यों के प्रति जिज्ञासा की तृप्ति।
- वर्तमान में सिद्धान्त और क्रियाएँ जो व्यवहार में हैं, उनके उद्भव व विकास की परिस्थितियों का विश्लेषण।

ऐतिहासिक अनुसन्धान के निम्नलिखित चरण होते हैं—

1 आँकड़ों का संग्रह

2 आँकड़ों का विश्लेषण

3 उपरोक्त आधार पर तथ्यों का विश्लेषण एवं रिपोर्ट

ऐतिहासिक अनुसन्धान के क्षेत्र में निम्नलिखित बातों को शामिल किया जा सकता है।

- शिक्षाशास्त्रियों व मनोवैज्ञानिकों के सुझाव।
- प्रयोगशाला एवं संस्थाओं द्वारा किए गए व्यावहारिक कार्य।
- विभिन्न समय अवधि में विचारों के बदलाव व विकास की स्थिति।
- विशेष प्रकार की विचारधारा का प्रभाव व उसके स्रोत।
- पुस्तक सूची की तैयारी।

वर्णनात्मक अनुसन्धान (Descriptive Research)

इसके अन्तर्गत स्पष्ट परिभाषित समस्या पर कार्य किया जाता है। यह विशेष सरल एवं अत्यन्त कठिन, दोनों प्रका[र का हो] सकता है। यह 'क्या है' को स्पष्ट करता है। इसके अन्तर्गत समस्या समाधान हेतु उपयोगी सूचना प्राप्त करते हैं। इ[समें] कल्पनापूर्ण नियोजन आवश्यक है। यह अनुसन्धान संख्यात्मक एवं गुणात्मक दोनों हो सकता है।

वर्णनात्मक अनुसन्धान के निम्नलिखित उद्देश्य हैं—

- भविष्य के अनुसन्धान के प्राथमिक अध्ययन में सहायता करना।
- मनोवैज्ञानिक विशेषताओं से परिचय प्राप्त करना और शैक्षिक नियोजन में सहायता करना।
- मानव व्यवहार के विभिन्न पक्षों की जानकारी प्राप्त करना।

वर्णनात्मक अनुसन्धान के निम्नलिखित चरण हैं—

- अनुसन्धान समस्या का कथन।
- यह निर्धारित करना कि समस्या सर्वेक्षण अनुसन्धान के उपयुक्त है या नहीं।
- उचित सर्वेक्षण विधि का चुनाव।
- सर्वेक्षण के उद्देश्यों का निर्धारण।
- सर्वेक्षण की सफलता का निर्धारण।
- आँकड़े प्राप्त करने का अभिकल्प।
- आँकड़ों का संग्रह।
- आँकड़ों का विश्लेषण।
- प्रतिवेदन तैयार करना।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

अनुसन्धान की विशेषताएँ (Characteristics of Research)

पिछले अनुच्छेद में दी गई परिभाषाओं से हमें अनुसन्धान की कई मूलभूत विशेषताएँ प्राप्त होती हैं—

- अनुसन्धान की प्रक्रिया वैज्ञानिक, वस्तुनिष्ठ, व्यवस्थित तथा सुनियोजित होती है।
- इस प्रक्रिया से नवीन ज्ञान की वृद्धि एवं विकास किया जाता है।
- इस कार्य में गुणात्मक तथा परिमाणात्मक प्रदत्तों की व्यवस्था की जाती है और उनका विश्लेषण करके निष्कर्ष निकाले जाते हैं।
- शोधकार्य का आलेख तथा शोध प्रबन्ध सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है।
- प्रत्येक शोधकार्य की अपनी विधि व प्रविधियाँ होती हैं, जो शोध के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होती हैं।
- इस प्रक्रिया में प्रदत्तों के आधार पर परिकल्पनाओं की पुष्टि की जाती है।
- प्रत्येक शोधकार्य से निष्कर्ष निकाल कर उनका सामान्यीकरण किया जाता है।
- इसमें व्यक्तिगत पक्षों, भावनाओं तथा विचारों को महत्त्व नहीं दिया जाता है।
- अनुसन्धान कार्य सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक दो प्रकार से हो सकते हैं।
- यह प्रक्रिया कई चरणों में सम्पन्न की जाती है।

अनुसन्धान के प्रकार (Types of Research)

किसी समस्या के समाधान प्राप्त करने के दो मुख्य कारण होते हैं—

(i) बौद्धिक तथा (ii) व्यावहारिक।

इसी के आधार पर समस्त अनुसन्धानों को दो वर्गों में विभक्त किया जाता है—

(i) मूलभूत अनुसन्धान (ii) व्यावहारिक अनुसन्धान

(i) **मूलभूत अनुसन्धान**—इसका मूल उद्देश्य नई प्रचनाओं का निर्माण करना है। इस प्रकार के अनुसन्धान के निष्कर्ष से विशेष वैज्ञानिक नियमों का प्रतिपादन होता है। इस प्रकार के अनुसन्धान का मुख्य कारण तथ्यों का एकत्रीकरण है। मूलभूत अनुसन्धान हमारे ज्ञान की वृद्धि करता है। यह व्यावहारिक अनुसन्धान के लिए आधारभूत तथ्यों की खोज तथा एकत्रीकरण करता है।

(ii) **व्यावहारिक अनुसन्धान**—इसके तहत ऐसे अनुसन्धान आते हैं, जिनके द्वारा किसी समस्या विशेष का समाधान आवश्यक हो। तथ्यों द्वारा यदि अनुसन्धानकर्ता किसी क्रियात्मक समस्या का समाधान करे तो यह अनुसन्धान व्यावहारिक अनुसन्धान की श्रेणी में आता है।

यद्यपि अनुसन्धानों का इस प्रकार वर्गीकरण किया गया है, तथापि मूलभूत अनुसन्धान और व्यावहारिक अनुसन्धान को अ… करना एक कठिन कार्य है। मूलभूत अनुसन्धानों से प्राप्त तथ्यों की पुष्टि व्यावहारिक अनुसन्धान से की जाती है। व्याव… अनुसन्धान में इन तथ्यों व निष्कर्षों का अनुप्रयोग होता है। सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में क्रियात्मक समस्याओं पर कि… अनुसन्धान नए सिद्धान्तों व नियमों को बनाने में सहायक होते हैं।

सामाजिक विज्ञानों के अन्तर्गत किए जाने वाले अनुसन्धान कार्य को निम्न श्रेणियों में विभाजित किया जाता है—

- प्रयोगशाला प्रयोग
- क्षेत्र प्रयोग
- क्षेत्र अध्ययन
- सर्वेक्षण अनुसन्धान

अनुसन्धान के सोपान (Steps of Research)

अनुसन्धान एक क्रमबद्ध वैज्ञानिक प्रक्रिया है। अनुसन्धान प्रक्रिया को विशिष्ट ढंग से क्रमबद्ध किया जाता है। यह प्रक्रिया… क्रियाओं के मिलने से पूरी होती है, जो परस्पर जुड़ी होती हैं।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

82. जब अनुसन्धानकर्ता कुछ ही सीमा तक समूह के सदस्यों में भाग लेता है तो वह अवलोकन कहलाता है–
(A) असहभागी (B) अर्द्ध सहभागी
(C) सहभागी (D) नियन्त्रित

83. अनुसन्धानकर्ता की गुणवत्ता किस पर निर्भर करती है?
(A) उच्च तकनीक के उपयोग पर
(B) उपलब्ध सुविधाओं पर
(C) शोध-प्रविधि में शिक्षण पर
(D) अनुसन्धानकर्ताओं के समर्पण पर

84. निम्न में कौन-सा कथन सही नहीं है?
(A) एक अनुसन्धानकर्ता से अपेक्षा की जाती है कि वह बहुपठित व्यक्ति हो
(B) एक अनुसन्धान से दूसरे अनुसन्धान का जन्म होता है
(C) सभी अनुसन्धान उपलब्ध ज्ञान में योगदान करते हैं
(D) एक अच्छा अनुसन्धानकर्ता एक अच्छा व्यक्ति होता है

85. 9 वर्ष के बच्चे 7 साल के बच्चों की अपेक्षा लम्बे होते हैं। यह उदाहरण है–
(A) सीधा अध्ययन का
(B) क्रास सेक्शनल अध्ययन का
(C) केस अध्ययन का
(D) प्रयोगात्मक अध्ययन का

86. निम्न में से कौन ऋणात्मक सहसम्बन्ध का उदाहरण है?
(A) जनसंख्या बढ़ने पर खाद्य-सामग्री में कमी आ जाएगी
(B) मन्दबुद्धि का मतलब है कि स्कूल में खराब प्रदर्शन
(C) भारत में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है
(D) खराब कार्य-दशा उत्पादन को घटाती है

87. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन अधिक सही है?
(A) शिक्षक अन्य कुछ न करके सिर्फ अच्छा पढ़ाए
(B) शिक्षक पढ़ाए और शोध कार्य भी करे
(C) शिक्षक को पढ़ाना चाहिए तथा शोध कार्य करना चाहिए परन्तु शोध की अपेक्षा शिक्षण पर अधिक ध्यान केन्द्रित करे
(D) शिक्षक पढ़ाए और शोध करे परन्तु शोध पर शिक्षण की अपेक्षा अधिक ध्यान दे

88. शोध के बारे में निम्नलिखित में से किस कथन से आप सहमत नहीं हैं?
(A) शोध स्वयं में एक आनन्द है
(B) समाज की बहुत-सी समस्याओं के समाधान में शोध से सहायता मिलती है
(C) शोध देश में समाज की प्रगति में योगदान करता है
(D) शोध शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाता है

89. क्षेत्र अध्ययन सम्बन्धित है–
(A) वास्तविक जीवन परिस्थितियों से
(B) प्रयोगात्मक परिस्थितियों से
(C) प्रयोगशाला की स्थिति से
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

90. अनुसन्धान की वैधता को बढ़ाया जा सकता है–
(A) असंगत घटकों को दूर करके
(B) जनसंख्या का सही प्रतिनिधित्व करने वाला नमूना चुनकर
(C) 'A' और 'B' दोनों
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

91. जब जनसंख्या निश्चित हो तो निम्न में से कौन-सी नमूना तकनीक प्रयोग की जाती है?
(A) क्षेत्र नमूना चयन विधि
(B) उद्देश्यात्मक नमूना चयन विधि
(C) रीतिबद्ध नमूना चयन विधि
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

92. मिश्रित प्रश्नावली में अनुसन्धानकर्ता प्रयोग करता है–
(A) केवल एक प्रणाली (B) केवल दो प्रणाली
(C) एक से अधिक प्रणाली (D) इनमें से कोई नहीं

93. अनुसन्धानकर्ता की गुणवत्ता की जाँच की जाती है–
(A) अनुसन्धान की उपयुक्तता से
(B) अनुसन्धान में प्रयुक्त प्रविधि से
(C) अनुसन्धान की गहराईयों से
(D) अनुसन्धानकर्ता के अनुभव से

94. शोधकर्ता का मुख्य गुण है–
(A) विवेकशीलता, विधिवत् कार्य करने की क्षमता, उपयोगी सामग्री का ज्ञान
(B) मन की चंचलता, व्यवहार में रूखापन, परोपकारी
(C) उत्तरदाता का सहयोग, उत्तरदाता की अपेक्षा, उत्तरदाता से मतभेद
(D) साधनों की अपेक्षा, साधनों के चयन में उदासीनता, साधनों के ज्ञान से अनभिज्ञता

95. उत्कृष्ट अनुसन्धान सदैव आरम्भ होता है–
(A) मौलिक विचार से
(B) योजना और अध्ययन की तैयारी से
(C) सम्बन्धित अनुसन्धान-विधि से अध्ययन-विधि के अध्ययन से
(D) अन्य लोगों द्वारा किए गए अनुसन्धान के अध्ययन से

96. अवलोकन का सहभागी अवलोकन में समूह के सदस्यों के साथ घुल-मिलकर रहना चाहिए। यह विचार है–
(A) अमेरिकन समाजशास्त्रियों का
(B) भारतीय समाजशास्त्रियों का
(C) फ्रांसीसी समाजशास्त्रियों का
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

97. अवलोकन की विश्वसनीयता के मार्ग में मुख्य बाधा है–
(A) कर्ता की तटस्थता (B) कर्ता का पक्षपात
(C) कर्ता की उदासीनता (D) कर्ता की मूर्खता

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

अन्यत: अनुसन्धान की प्रक्रिया में छ: चरण होते हैं—
- समस्या का चयन
- परिकल्पना का प्रतिपादन
- शोध की रूपरेखा
- आँकड़ों/डाटा का संकलन
- प्रदत्तों का विश्लेषण
- सामान्यीकरण तथा निष्कर्षों का प्रतिपादन

अनुसन्धान प्रक्रिया के **पहले चरण** में समस्या का चयन किया जाता है। समस्या की परिभाषा और सीमा को परिभाषित किया जाता है ताकि उसे व्यावहारिक रूप दिया जा सके।

दूसरे चरण में इस समस्या के सभी सम्भावित समाधानों के लिए परिकल्पना की जाती है। इसके लिए कथन दिए जाते हैं। इन्हें परिकल्पना कहते हैं। इन्हीं परिकल्पनाओं से समस्या का समाधान होता है।

तीसरे चरण में परिकल्पनाओं की पुष्टि के लिए रूपरेखा तैयार की जाती है। इससे शोध विधि तथा प्रविधियों के बारे में निर्णय लिया जाता है।

चौथे चरण में परिकल्पना से सम्बन्धित प्रदत्तों/आँकड़ों का विभिन्न तरीकों से संकलन किया जाता है।

पाँचवें चरण में प्रदत्तों को सार्थक बनाने के लिए सांख्यिकीय प्रविधियों को प्रयुक्त किया जाता है। आँकड़ों या तथ्यों के विश्लेषण से परिकल्पनाओं की पुष्टि की जाती है और उनके आधार पर निर्णय लिया जाता है। प्रदत्तों के विश्लेषणों के परिणामों की व्याख्या की जाती है।

छठे चरण में प्रदत्तों के विश्लेषण और परिणामों के आधार पर निष्कर्षों का प्रतिपादन किया जाता है। बार-बार निष्कर्षों की पुनरावृत्ति होने पर वे सामान्य नियम या सिद्धान्त बन जाते हैं, जो नए ज्ञान की वृद्धि करते हैं और जिनके द्वारा क्रियाओं में सुधार और विकास लाया जाता है।

सभी प्रकार के अनुसन्धान कार्यों में इन्हीं सोपानों का अनुसरण किया जाता है।

अनुसन्धान की विधियाँ (Methods of Research)

प्रत्येक अनुसन्धान एक विशेष प्रकृति की समस्या का वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत करता है। समस्या की प्रकृति के अनुसार अनुसन्धान की विधि निर्धारित की जाती है।

अनुसन्धान का अन्वेषणात्मक प्रारूप प्राथमिक दिशाएँ प्रदान करता है। जब तक किसी अनुसन्धानकर्ता को समस्या की सुस्पष्ट व्याख्या, उसके सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्यों तथा प्रयोगात्मक पक्षों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह अनुसन्धान करने में समर्थ नहीं होगा। अन्वेक्षणात्मक अनुसन्धान **प्ररचना** की निम्न पद्धतियाँ हैं—
- सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण एवं सिंहावलोकन
- आनुभविक व्यक्तियों से सर्वेक्षण
- एकल विषय अध्ययन

अनुसन्धान की विधियों का वर्गीकरण विद्वानों ने अनेक प्रकार से किया है। किसी ने विषय/क्षेत्र के अनुसार वर्गीकरण किया और किसी ने शिक्षा सम्बन्धी, मनोविज्ञान सम्बन्धी तथा इतिहास सम्बन्धी अनुसन्धान के रूप में वर्गीकृत किया। किसी विद्वान ने इसके आँकड़े प्राप्त करने की विधि के आधार पर तो किसी ने उसके उद्देश्य के आधार पर वर्गीकरण किया है।

सामान्य तौर पर अनुसन्धान विधियों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है—

1. ऐतिहासिक अनुसन्धान
2. वर्णनात्मक अनुसन्धान
3. प्रयोगात्मक अनुसन्धान
4. क्रियात्मक अनुसन्धान
5. अन्तर-अनुशासनात्मक अनुसन्धान

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

विचारगोष्ठी के उद्देश्य (Objectives of Seminar)

प्रजातान्त्रिक राष्ट्र एवं समाज के लिए सेमिनार अधिक उपयोगी है। इसके प्रयोग से ज्ञानात्मक एवं भावात्मक उच्च उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है। इसके मुख्य उद्देश्य है—

1. विश्लेषण तथा आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।
2. संश्लेषण तथा मूल्यांकन की योग्यता का विकास करना।
3. निरीक्षण तथा अनुभवों के प्रस्तुतीकरण की क्षमता का विकास करना।
4. अन्य व्यक्तियों के विरोधी विचार एवं दृष्टिकोण की सहनशीलता का विकास होता है।
5. विचारों की स्वच्छन्दता तथा दूसरों के सहयोग की भावना का विकास होता है।
6. भावात्मक स्थिरता का विकास होता है।

इसके अतिरिक्त सेमिनार से अपना दृष्टिकोण रखने का स्पष्टीकरण करने तथा माँगने के व्यवहार का विकास होता है।

विचार गोष्ठी के आयोजन में चार भूमिकाएँ निभानी होती हैं—

1. अनुदेशक/व्यवस्थापक
2. अध्यक्ष
3. वक्तागण
4. भागीदार

विचारगोष्ठी की प्रक्रिया (Process of Seminar)

सबसे पहले विचारगोष्ठी के लिए प्रकरण का चयन करना है। जो व्यक्ति इस प्रकरण पर प्रपत्र तैयार करते हैं, उन्हें वक्ता कहते है विभिन्न संस्थाओं से व्यक्तियों को आमन्त्रित किया जाता है। अक्सर सेमिनार की व्यवस्था एक कक्षा तथा विभाग द्वारा महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों तथा शोध संस्थाओं के स्तर पर की जाती है।

विचारगोष्ठी का विषय पूर्व नियोजित होता है। वक्ता अपने प्रपत्र की प्रतिलिपियाँ तैयार कर सेमिनार के आरम्भ में वितरित कर देता है। सेमिनार के भागीदारों में से एक अध्यक्ष का चयन सेमिनार के संचालन हेतु किया जाता है। सेमिनार संचालन का उत्तरदायित्व अध्यक्ष का होता है। संचालन प्रक्रिया अध्यक्ष निर्धारित करता है।

विचारगोष्ठी के प्रकार (Types of Seminar)

1. लघु विचारगोष्ठी : किसी प्रकरण पर कक्षा स्तर पर जब सेमिनार का आयोजन छात्र स्वयं करते हैं।
2. मुख्य विचारगोष्ठी : किसी विभाग या संस्था द्वारा आयोजित।
3. राष्ट्रीय विचारगोष्ठी
4. अन्तर्राष्ट्रीय विचारगोष्ठी

विचारगोष्ठी की उपयोगिता (Importance of Seminar)

1. शिक्षा के ज्ञानात्मक तथा भावात्मक उच्च उद्देश्यों की प्राप्ति की जाती है।
2. प्रजातान्त्रिक मूल्यों का विकास।
3. प्रस्तुतीकरण एवं तर्क करने की क्षमताओं का विकास।
4. उत्तम प्रकार की अधिगम आदत का विकास।
5. स्वतन्त्र अध्ययन को प्रोत्साहन।
6. वाद-विवाद में भाग लेने तथा बोलने के कौशल का विकास।
7. आलोचनात्मक चिन्तन का विकास।
8. शिक्षार्थी में सामाजिक एवं भावात्मक गुणों का विकास।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

18. कार्ल मार्क्स जनक हैं–
(A) समाजवाद के (B) व्यक्तिवाद के
(C) संघवाद के (D) आदर्शवाद के

19. जब घटनाओं के परिवर्तित होने के कारण साक्षात्कारकर्ता को बार-बार साक्षात्कार करना पड़ता है, तो उस साक्षात्कार को कहते हैं–
(A) आकस्मिक साक्षात्कार (B) अनियन्त्रित साक्षात्कार
(C) पुनरावृत्ति साक्षात्कार (D) केन्द्रीय साक्षात्कार

20. सामूहिक साक्षात्कार में अनुसन्धानकर्ता–
(A) एक बार में एक व्यक्ति से साक्षात्कार करता है
(B) एक बार में ही एक से अधिक व्यक्तियों से साक्षात्कार करता है
(C) किसी भी साक्षात्कार को नहीं करता है
(D) राज्य के कर्मचारियों से साक्षात्कार करता है

21. जिन प्रश्नों के उत्तर देने में उत्तरदाता को पूर्ण स्वतन्त्रता हो, वे प्रश्न कहलाते हैं–
(A) विमुक्त प्रश्न (B) संयोजित प्रश्न
(C) दोहरे प्रश्न (D) बहुविकल्पीय प्रश्न

22. अनुसन्धानकर्ता उत्तरदाता को प्रभावित करता है–
(A) डाक प्रणाली में (B) अनुसूची प्रणाली में
(C) प्रायोगिक विधि में (D) साक्षात्कार विधि में

23. विषयवस्तु से सम्बन्धित साहित्य का अवलोकन करना अन्वेषणात्मक अनुसन्धान में कहलाता है–
(A) साहित्य समीक्षा
(B) साहित्य दर्पण
(C) प्रासंगिक साहित्य का सर्वेक्षण
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

24. उपयुक्त उपकल्पनाओं का निर्माण किया जाता है–
(A) अन्वेषणात्मक अनुसन्धान में
(B) वर्णनात्मक अनुसन्धान में
(C) प्रयोगात्मक अनुसन्धान में
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

25. ऐतिहासिक सामग्री के स्रोतों में सम्मिलित नहीं किया जाता है–
(A) प्राचीन पुस्तक (B) प्राचीन भारत
(C) साक्षात्कार (D) शिलालेख

26. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्त्व वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का यन्त्र नहीं है?
(A) व्यक्ति द्वारा लिखित डायरियाँ
(B) लिखित पत्र
(C) जीवन इतिहास
(D) व्यक्ति का भवन

27. वैयक्तिक विषय पद्धति का मुख्य मन्त्र है–
(A) व्यक्ति का महत्त्व
(B) व्यक्ति का दृष्टिकोण
(C) व्यक्ति के विचार
(D) व्यक्ति द्वारा लिखित डायरियाँ

28. पूछताछ के माध्यम से विषय-वस्तु का ज्ञान प्राप्त किया जाता है–
(A) अन्वेषणात्मक अनुसन्धान में
(B) वर्णनात्मक अनुसन्धान में
(C) प्रयोगात्मक अनुसन्धान में
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

29. एक शोधकर्ता जनसंख्या का स्नातकोत्तर, स्नातक तथा इण्टरमीडिएट छात्रा में विभाजित करता है और यादृच्छिक तालिका का प्रयोग करते हुए प्रत्येक ग्रुप से वह कुछ लोगों को चुनता है। यह कहलाता है–
(A) स्तरीकृत नमूना चयन
(B) स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना चयन
(C) एकस्तरीकृत नमूना चयन
(D) साधारण नमूना चयन

30. एक शोधकर्ता पूरी जनसंख्या में से 100 लोगों का लाटरी नमूना चुनता है। यह नमूना है–
(A) एक समूह नमूना चयन
(B) एक यादृच्छिक नमूना चयन
(C) एक स्तरीकृत नमूना चयन
(D) एक रीतिबद्ध चयन

31. नमूने के आधार पर निकाला गया सामान्य निष्कर्ष टेक्निकल भाषा में कहलाता है–
(A) अनुसन्धान की बाह्य वैधता का सांख्यिकी अनुमान
(B) आँकड़ा विश्लेषण तथा विवेचना
(C) परिमाप अनुमान
(D) उपरोक्त सभी

32. एक सांख्यिकी मापक जो पूरी जनसंख्या पर आधारित होता है, परिमाप कहलाता है। वह मापक जो नमूने पर आधारित होता है, कहलाता है–
(A) नमूना चयन परिमाप (B) निष्कर्ष
(C) सांख्यिकीय (D) इनमें से कोई नहीं

33. वास्तविक तथ्यों के आधार पर एक आदर्श की स्थापना की जाती है–
(A) तुलनात्मक पद्धति में (B) प्रयोगात्मक पद्धति में
(C) विपरीत निगमन पद्धति में (D) आदर्श विश्लेषण में

34. व्यवहार व सम्बन्धों की प्रकृति होती है–
(A) रूढ़िवादी (B) स्थायी
(C) परिवर्तनशील (D) अपरिवर्तनशील

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

66. तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया जाता है अध्ययन में–
(A) सामाजिक समस्याओं के
(B) राजनीतिक समस्याओं के
(C) आर्थिक समस्याओं के
(D) उपरोक्त सभी में

67. निम्नलिखित में से क्षेत्र अवलोकन के चरणों का चयन करें–
(A) घटना का चयन, योजना निर्माण, सूचनाओं का संकलन
(B) उत्तरदाता से पूछताछ, अनुसन्धानकर्ता से सम्पर्क, उत्तरों की समीक्षा
(C) प्रश्नावली का निर्माण, प्रश्नावली का चयन, उत्तर का संकलन
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

68. निर्देशन पद्धति में आवश्यक है कि इकाइयाँ–
(A) समग्र से बिल्कुल अलग हों
(B) इकाइयों का समग्र से चयन न किया गया हो
(C) इकाइयाँ समग्र का ठीक प्रतिनिधित्व करती हों
(D) इकाइयाँ समग्र के अधीन न हों

69. समग्र में से जिन प्रतिनिधि इकाइयों को लेकर उनका अध्ययन जिस पद्धति में किया जाता है, उस पद्धति का नाम है–
(A) तुलनात्मक पद्धति (B) समाजमिति पद्धति
(C) सांख्यिकी पद्धति (D) निदेशन पद्धति

70. इकाई के अध्ययन में सबसे पहले अनुसन्धानकर्ता को परिचय करना पड़ता है–
(A) व्यक्तियों का
(B) इकाई की समस्या का
(C) नागरिकों के चरित्र का
(D) सहयोगियों के स्वभाव का

71. जब अनुसन्धानकर्ता सम्पूर्ण समुदाय का इकाई के रूप में अध्ययन करता है तो वह विधि कहलाती है–
(A) व्यक्ति का व्यक्तिगत अध्ययन
(B) समुदाय का व्यक्तिगत अध्ययन
(C) नगर का व्यक्तिगत अध्ययन
(D) गाँव का व्यक्तिगत अध्ययन

72. एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न कि शोधकर्ता अपनी समस्या के लिए सांख्यिकी तकनीक का प्रयोग करना चाहता है, उसे देखना है कि–
(A) क्या आँकड़े निर्धारित कर लिए गए हैं
(B) क्या उपयुक्त सांख्यिकी तकनीक उपलब्ध हैं
(C) क्या आँकड़ों का विश्लेषण सम्भव है
(D) क्या उपयोगी अनुमान निकाले जा सकते हैं

73. सेमिनार के संचालन की प्रक्रिया निर्धारित करती है–
(A) अनुदेशक (B) अध्यक्ष
(C) वक्तागण (D) भागीदार

74. निम्न में से कौन एक शोधकर्ता की विशेषता नहीं है?
(A) वह एक विशेषज्ञ होता है न कि सामान्य ज्ञान वाला
(B) वह खोज के प्रयास में परिश्रमी तथा एकाग्र होता है
(C) वह अपने चुने गए क्षेत्रों में अपनी निजी राय पर विश्वास नहीं करता बल्कि वह यथार्थ को स्वीकार कर लेता है
(D) उसकी रुचि तथा योग्यताओं में एकरूपता होती है

75. अनुसन्धान कार्य करते समय सम्बन्धित अध्ययनों की पुनरावृत्ति महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि–
(A) इसके द्वारा अनावश्यक पुनरावृत्ति या नकल प्रक्रिया से बचा जा सकता है
(B) यह विभिन्न अध्ययनों के बीच दूरी व कमी को समझने में सहायता देती है
(C) यह शोधकर्ता की गैर-तार्किक निष्कर्ष न निकालने में सहायता करती है
(D) उपरोक्त सभी

76. ऐतिहासिक अनुसन्धान प्रयोगात्मक अध्ययन से किस प्रक्रिया में भिन्न है?
(A) पुनरावृत्ति में (B) प्राक्कल्पना संरचना में
(C) प्राक्कल्पना आकलन में (D) ये सभी

77. प्रयोगात्मक अनुसन्धानों में स्वतन्त्र विचलनों का दूसरा नाम है–
(A) ट्रीटमेन्ट विचलन (B) प्रयोगात्मक विचलन
(C) मैनीपुलेटेड वैरिएबिल (D) ये सभी

78. यदि आप किसी बड़े नमूने पर प्रयोग कर रहे हैं, तो आप विचलन नियन्त्रण का कौन-सा तरीका अपनाएँगे?
(A) जोड़ा मिलाना (B) यादृच्छिकरण
(C) अलग हटाना तथा जोड़ा मिलाना दोनों
(D) विलोपन

79. एक बड़ी रैली को देखकर यह कहा गया कि जनतान्त्रिक पार्टी अगला चुनाव जीत जाएगी। यह अनुमान आधारित है–
(A) यादृच्छिक नमूना चयन पर
(B) समूह नमूना चयन पर
(C) रीतिबद्ध नमूना चयन पर
(D) उद्देश्यात्मक नमूना चयन पर

80. प्रश्नावली के प्रश्नों के उत्तर लिखकर भेजता है–
(A) उत्तरदाता
(B) अनुसन्धानकर्ता
(C) उत्तरदाता का भाई
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

81. यदि उत्तरदाता प्रसन्नचित्त हो तो–
(A) उत्तर प्राप्ति में सफलता मिलती है
(B) उत्तर की प्राप्ति सम्भव नहीं है
(C) अनुसन्धानकर्ता प्रसन्न रहता है
(D) अनुसन्धान में ...

Scanned with CamScanner

52. उच्च शिक्षा में अनुसन्धान और अध्यापन दो भिन्न क्रियाएँ हैं, जो–
(A) इकट्ठी नहीं चल सकतीं
(B) चल सकती हैं केवल अनुक्रमिक आदेश में
(C) वर्तमान ज्ञान को बढ़ाना
(D) नौकरी की अनिवार्यताओं की पूर्ति

53. अनुसन्धान का उद्देश्य है–
(A) योग्यता में सुधार
(B) अपनी ख्याति को बढ़ाना
(C) वर्तमान ज्ञान को बढ़ाना
(D) नौकरी की अनिवार्यताओं की पूर्ति

54. आप उस अवलोकन को क्या कहेंगे जिसमें अनुसन्धानकर्ता अनुसन्धान करने से पूर्व योजनाएँ बना लेता है?
(A) नियन्त्रित अवलोकन
(B) अनियन्त्रित अवलोकन
(C) असहभागी अवलोकन
(D) अर्द्ध सहभागी अवलोकन

55. प्रश्नावली में प्रश्नों की सूची तैयार करके उत्तरदाता के पास
(A) डाक द्वारा भेजी जाती है
(B) अनुसन्धानकर्ता स्वयं जाता है
(C) अनुसन्धानकर्ता के नौकर द्वारा भेजी जाती है
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

56. एक शोधकर्ता कांग्रेस (आई) के भविष्य के विषय में अध्ययन करना चाहता है। इसके लिए यहाँ पर कौन-सा सांख्यिकीय उपकरण सर्वाधिक उचित है?
(A) प्रश्नावली (B) शिड्यूल
(C) साक्षात्कार (D) रेटिंग स्केल

57. शोध रिपोर्ट लिखते समय शोधकर्ता को–
(A) वाक्य के आरम्भ में अंकों का प्रयोग नहीं करना चाहिए
(B) अपनी रिपोर्ट को क्रमबद्ध, विषयानुसार तथा तिथि अनुसार लिखना चाहिए
(C) अपने अध्ययन की उससे मिलते-जुलते शोधकार्यों से तुलना करनी चाहिए
(D) उपरोक्त सभी

58. एक अनुसन्धान की विश्वसनीयता तथा वैधता उस समय खतरे में पड़ जाएगी जब–
(A) लेखक जो कि सूचना का स्रोत है वह पक्षपाती, अयोग्य तथा बेईमान हो
(B) घटना को घटित होने के लम्बे समय के अन्तराल के बाहर सुरक्षित किया गया हो
(C) शोधकर्ता स्वयं भी निष्कर्ष निकालने की पर्याप्त योग्यता न रखता हो
(D) उपरोक्त सभी

59. बाह्य आलोचना करने के लिए (आधार सामग्री की सत्यता को निर्धारित करने के लिए) एक शोधकर्ता को सत्यापित करना चाहिए–
(A) लेखक के हस्ताक्षर की लिखावट हो
(B) उस काल में प्रयोग किए गए कागज तथा स्याही को जिस युग का वह अध्ययन कर रहा है
(C) उस काल की भाषा तथा शैली को
(D) उपरोक्त सभी

60. निम्न में से कौन आधार सामग्री का प्राथमिक स्रोत है?
(A) निजी रिकार्ड, पत्र, डायरियाँ, आत्मकथाएँ, विरासत का घोषणा पत्र
(B) सरकारी रिकार्ड जैसे सरकारी डॉक्यूमेण्ट, सामाजिक राजनीतिक संस्थाओं द्वारा सुरक्षित की गई सूचनाएँ
(C) रीति-रिवाज की मौखिक प्रामाणिकता
(D) उपरोक्त सभी

61. एक अच्छे अनुसन्धानकर्ता को–
(A) अपने उद्देश्यों से मेल खाने वाली आधार-सामग्री एकत्र करनी चाहिए
(B) उसके प्रयोजन की पूर्ति करने वाली आधार-सामग्री एकत्र करनी चाहिए
(C) तब तक विभिन्न प्रकार की सूचना एकत्र करनी चाहिए जब तक प्राक्कल्पनाएँ सही पाई जाएँ
(D) बड़ी मात्रा में आधार-सामग्री एकत्र करनी चाहिए

62. अनुसन्धान के उद्देश्य लिखे जा सकते हैं–
(A) केवल प्रश्न के रूप में
(B) केवल कथन के रूप में
(C) प्रश्न और कथन के रूप में
(D) सम्भावना के रूप में

63. सहभागी अवलोकन में अनुसन्धानकर्ता–
(A) समूह में जाता है और वहीं बस जाता है
(B) समूह से दूर जाता है
(C) समूह में अपने नौकर को भेजता है
(D) समूह के सदस्यों को बुलाकर सूचना प्राप्त करता है

64. यदि अनुसन्धानकर्ता समय पर प्रश्नावली उत्तरदाता के पास न भेजे तो–
(A) प्रश्नावली को लौटाने में बाधा उत्पन्न होती है
(B) उत्तरदाता उत्तर नहीं भेजता है
(C) उत्तरदाता नाराज हो जाता है
(D) उत्तरदाता अनुसन्धानकर्ता को कोसता है

65. एक अच्छी प्रणाली का गुण है–
(A) प्रश्नों का विशाल आकार
(B) जटिल प्रश्नों की अधिकता
(C) प्रश्नों की सरलता व स्पष्टता
(D) प्रश्नों की न्यूनता व स्पष्टता

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्न में से कौन अयादृच्छिक नमूना है?
   (A) कोटा नमूना चयन
   (B) साधारण यादृच्छिक नमूना चयन
   (C) उद्देश्यात्मक नमूना चयन
   (D) 'A' और 'C' दोनों
2. एक शोधकर्ता अपनी जनसंख्या को विभिन्न समूहों में विभाजित करता है और फिर वह प्रत्येक समूह के नमूने के आकार को निर्धारित करता है। वह कहलाता है–
   (A) स्तरीय नमूना चयन (B) कोटा नमूना चयन
   (C) समूह नमूना चयन (D) ये सभी
3. क्षेत्र नमूना (ग्रुप नमूना) तकनीक का प्रयोग किया जाता है जब–
   (A) जनसंख्या बिखरी हुई हो तथा बड़े आकार का नमूना लेना हो
   (B) जनसंख्या विषमगुणीय हो
   (C) लम्बे सर्वेक्षण की आवश्यकता हो
   (D) 'A' और 'C' दोनों
4. एक शोधकर्ता केवल दस सदस्यों को 50 हजार की कुल जनसंख्या में से चुनता है और इसको ठीक समझता है क्योंकि–
   (A) वह एक अच्छा शोधकर्ता है
   (B) उसे अपने सुपरवाइजर द्वारा सलाह दी गई है
   (C) जनसंख्या समगुणीय थी
   (D) उपरोक्त सभी
5. अनुसन्धान का अन्तिम निष्कर्ष अधिक उपयुक्त होगा यदि चुना गया नमूना
   (A) यादृच्छिक रूप से लिया गया है
   (B) कोटा द्वारा निर्धारित किया गया है
   (C) जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है
   (D) उद्देश्यात्मक है
6. अनुसन्धान योजना की मुख्य विशेषता है
   (A) समस्या का निर्धारण (B) नियमों का निर्धारण
   (C) लक्ष्यों का निर्धारण (D) निष्कर्षों का अनुसरण
7. जो प्रश्न सम्भावित अन्तरों से संयोजित करके लिखे जाते हैं, उनको कहते हैं–
   (A) विमुक्त प्रश्न (B) निर्देशक का निर्धारण
   (C) दोहरे प्रश्न (D) बहुवैकल्पिक प्रश्न
8. जिस अवलोकन में अनुसन्धानकर्ता समूह का सदस्य नहीं होता है वह अवलोकन कहलाता है–
   (A) सहभागी अवलोकन (B) असहभागी अवलोकन
   (C) अनियन्त्रित अवलोकन (D) इनमें से कोई नहीं
9. जब अनुसन्धानकर्ता पर बाह्य तत्त्वों का प्रभाव नहीं होता है तो वह अवलोकन कहलाता है–
   (A) पूर्ण नियन्त्रित (B) अर्द्ध नियन्त्रित
   (C) नियन्त्रित (D) अनियन्त्रित
10. वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की विशेषता है–
    (A) सूक्ष्म अध्ययन (B) समूल अध्ययन
    (C) जटिल अध्ययन (D) विस्तृत अध्ययन
11. निम्न में से क्या एक प्रकल्पना के लिए आवश्यक नहीं है?
    (A) यह तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए
    (B) यह कल्पनीय होनी चाहिए
    (C) यह प्रकृति के ज्ञान की विरोधी हो
    (D) यह निष्कर्ष निकालने की अनुमति दे
12. ऐतिहासिक पद्धति में अभाव पाया जाता है–
    (A) रुचि का (B) तटस्थता का
    (C) घटनाओं का (D) धार्मिकताओं का
13. इकाइयों के अध्ययन के निष्कर्षों को निर्देशन पद्धति में लागू किया जाता है–
    (A) समाज पर (B) समूह पर
    (C) समग्र पर (D) इनमें से कोई नहीं
14. निम्न में सभी गैर-नमूना त्रुटियाँ हैं केवल एक को छोड़कर–
    (A) मापन के दोषपूर्ण उपकरण/पैमाने
    (B) अपर्याप्त नमूना
    (C) उत्तर न देना
    (D) आधार सामग्री के संग्रह में दोष
15. अपने शोध अध्ययन को और अधिक सही बनाने के लिए शोधकर्ता को–
    (A) नमूने के आकार को बढ़ाना चाहिए
    (B) ईमानदारी तथा पक्षपातरहित होना चाहिए
    (C) परिसर को अधिक रखना चाहिए
    (D) उपरोक्त सभी
16. अवलोकन विधि में अनुसन्धानकर्ता समस्याओं का ज्ञान–
    (A) स्वयं जाकर प्राप्त करता है
    (B) नौकर को भेजकर प्राप्त करता है
    (C) प्रश्नावली डाक द्वारा भेजकर प्राप्त करता है
    (D) उपरोक्त में से कोई नहीं
17. "अवलोकन को स्पष्ट रूप से वैज्ञानिक अन्वेषण की एक विशुद्ध प्रणाली कह सकते हैं," यह कथन है–
    (A) क्रोबर का (B) मोसर का
    (C) जिन्सबर्ग का (D) मैकाइवर का

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
Scanned with CamScanner

35. समाज में समुदाय की सामाजिक स्थिति का अध्ययन किया जाता है–
(A) सामाजिक सर्वेक्षण की सामान्य पद्धति में
(B) सामाजिक सर्वेक्षण की विशिष्ट पद्धति में
(C) विपरीत निगमन पद्धति में
(D) आदर्श विश्लेषण पद्धति में

36. तुलनात्मक पद्धति का प्रयोग करने वाले थे–
(A) मार्क्स (B) रूसो
(C) दुर्खीम (D) महात्मा गाँधी

37. एक नमूना लेकर उसमें होने वाले परिवर्तनों का परीक्षण करने वाली पद्धति है–
(A) तुलनात्मक (B) समाजमिति
(C) परीक्षणात्मक (D) ये सभी

38. अनुसन्धानकर्ता प्रत्युत्तर पाने के लिए
(A) उत्तरदाता की चापलूसी करें
(B) उत्तरदाता को पत्र भेजकर उत्तर न भेजने की अपील करें
(C) उत्तरदाता को पत्र भेजकर उत्तर भेजने की अपील करें
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

39. अवलोकन का विशिष्ट गुण है–
(A) व्यवहार की चंचलता
(B) व्यवहार की सफलता
(C) व्यवहार की असफलता
(D) व्यवहार की शीतलता

40. वैयक्तिक अध्ययन पद्धति में अनुसन्धानकर्ता–
(A) तटस्थ नहीं रह पाता
(B) रुचि नहीं लेता
(C) खोज में सफल नहीं होता
(D) अनुसन्धान सम्भव नहीं

41. जिस अवलोकन में नियन्त्रित निरीक्षण का सम्मिश्रण होता है, उसे कहते हैं–
(A) सहभोगी अवलोकन (B) असहभोगी अवलोकन
(C) अर्द्धभागी अवलोकन (D) सामूहिक अवलोकन

42. प्राक्कल्पना की संरचना आवश्यक नहीं है–
(A) सर्वे अध्ययनों में
(B) ऐतिहासिक अनुसन्धानों में
(C) नार्मेटिव अध्ययनों में
(D) प्रयोगात्मक अध्ययनों में

43. एक शोध समस्या को तभी सही ठहराया जा सकता है जब वह–
(A) अनुसन्धान करने योग्य हो
(B) नई हो तथा कुछ वृद्धि ला सकती हो
(C) उपयोगी हो तथा समयसंगत हो
(D) उपरोक्त सभी

44. एक अध्यापक अपने व्यावसायिक अनुभव में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करता है तो उसे चाहिए कि वह–
(A) अपने पद से त्यागपत्र दे दे
(B) उस समस्या का गहन अध्ययन करे
(C) समस्या वाली स्थिति से बचे
(D) संस्था के प्रमुख की सहायता ले

45. वैज्ञानिक ज्ञान का उदाहरण है–
(A) पैगम्बरों के ज्ञान के आधार पर प्राप्त हुआ ज्ञान
(B) सामाजिक रीति-रिवाज
(C) धार्मिक ग्रन्थ
(D) प्रयोगशाला तथा क्षेत्र प्रयोग पर आधारित ज्ञान

46. 'यह क्या है' इसको निम्न में से किस अनुसन्धान द्वारा स्पष्ट किया जाता है?
(A) ऐतिहासिक
(B) प्रयोगात्मक
(C) वर्णनात्मक
(D) अन्तर अनुशासनात्मक

47. प्रयोगात्मक अध्ययन किस नियम पर आधारित है?
(A) एक विचलनीय नियम पर
(B) पुनरावृत्ति पर
(C) धार्मिक ग्रन्थ
(D) प्रयोगशाला तथा क्षेत्र प्रयोग पर आधारित ज्ञान

48. प्रत्येक क्षेत्र में, अनुसन्धान लक्ष्य ज्ञान की व्यवस्थित और क्रमिक उन्नति को बढ़ावा देता है, परन्तु आविष्कार बहुत कम होते हैं; क्योंकि–
(A) अनुसन्धान एक निरन्तर आलोचनात्मक खोज है
(B) एक निश्चित माध्यम से ऊपर सोचना सामान्य नहीं है
(C) निरन्तर प्रयोगात्मक कार्य, जो खोज के लिए सरलता से सामने नहीं आ रहा है
(D) प्रयोग पात्र की रुचि पर

49. सांख्यिकी पद्धति द्वारा निर्णय लिए जाते हैं–
(A) एकाकी (B) सामूहिक
(C) आर्थिक (D) राजनीतिक

50. मापदण्डों की स्थापना करने वाली पद्धति का नाम है
(A) वैयक्तिक जीवन अध्ययन पद्धति
(B) सांख्यिकी पद्धति
(C) सामाजिक पद्धति
(D) तुलनात्मक पद्धति

51. अनुसन्धान के लिए सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण गुण है–
(A) अनुसन्धान में रुचि
(B) अनुसन्धान की विधियों का ज्ञान
(C) अनुसन्धान करने का अनुभव
(D) सम्बन्धित विषय में रुचि

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

प्रस्तावना में शोध की समस्या की स्पष्ट रूप में परिभाषा दी जाती है। शोध का मुख्य उद्देश्य प्रस्तुत किया जाता है और उसके महत्व का संक्षिप्त उल्लेख किया जाता है।

विषयवस्तु का मुख्य अंग शोध प्रबन्ध से ही लिया जाता है। प्रपत्र में शोध क्रियाओं का संश्लेषण किया जाता है जिससे पाठक निष्कर्ष की ओर अग्रसर होता है। प्रपत्र का रूप रचनात्मक तथा आलोचनात्मक होना चाहिए। प्रपत्र के इस अंग का मुख्य लक्ष्य होता है कि जो कुछ शोध में किया गया है, उसे प्रस्तुत करना। शोधकर्ता को अपने विचारों की सन्तुष्टि सन्दर्भों, प्रदत्तों एवं सांख्यिकी के आधार पर करनी चाहिए।

निष्कर्ष (Conclusion)

शोधकर्ता को अपने निष्कर्षों को कथन रूप में प्रस्तुत करना होता है। निष्कर्षों के पक्ष व विपक्ष में तर्क भी देने चाहिए। यदि निष्कर्षों की उपयोगिता किसी क्षेत्र में हो सकती है तो उसका उल्लेख करना चाहिए। शोध प्रपत्र के अन्त में सन्दर्भ सूची अवश्य होनी चाहिए, जिससे शोधकार्य की वैधता बढ़ती है।

शोध प्रपत्र लेखन तथा प्रकाशन से निम्न लाभ होते हैं—

- शोधकर्ता को शोध सर्वेक्षण तथा समीक्षा में सुगमता।
- शोधकर्ताओं को नवीन ज्ञान तथा शोधकर्ता के सम्बन्ध में जानकारी।
- अन्य शोधकर्ता समान कार्य की पुनरावृत्ति से बच जाते हैं।
- उस क्षेत्र के विशेषज्ञों को सुझाव तथा टिप्पणी का अवसर।

शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन (Evaluation of Research Work)

शोधकार्य चाहे किसी भी स्तर का हो, उसका मूल्यांकन अवश्य किया जाता है। शोधकर्ता के लिए मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण उपयोगी प्रक्रिया है। मूल्यांकन में विभिन्न प्रकार के सुझाव और आलोचनाएँ होती हैं।

शोध-प्रबन्ध की भाषा तथा प्रस्तुतीकरण का रूप वैज्ञानिक होना चाहिए। लेखन में प्रवाह तथा एक क्रम होना चाहिए। व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी त्रुटि नहीं होनी चाहिए। शोध-प्रबन्ध लेखन में प्रकरण, शोध समस्या, सम्बन्धित शोध-साहित्य, शोध विधि, आँकड़ों का विश्लेषण आदि का ध्यान रखना चाहिए।

लेख (Essay)

एक अच्छा लेख संक्षिप्त, सारगर्भित और चिन्तन स्तर का होता है। इसमें किसी विषय विशेष के सम्बन्ध में क्रमिक रूप से लेखन किया जाता है। सामान्यत: लेख लिखने के लिए गौण स्रोतों की सहायता ली जाती है।

लेखक अपनी विशेषज्ञता के अनुरूप विषय का चुनाव करता है। किसी घटना के सन्दर्भ में अपने विषय को सन्दर्भित करता है। अपनी विशिष्ट शैली का प्रयोग अपने विषय के किसी मुद्दे के सन्दर्भ में भी करता है। अपने विचारों को स्पष्ट करने के लिए उदाहरणों, विचारों व सांख्यिकीय प्रदत्तों का प्रयोग करता है।

कार्यशाला (Workshop)

शिक्षा-प्रक्रिया के दो पक्ष प्रमुख माने जाते हैं—सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक।

उच्च ज्ञानात्मक और भावात्मक पक्ष के विकास के लिए विचार-गोष्ठी तथा सम्मेलन का आयोजन किया जाता है। क्रियात्मक पक्ष के विकास के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। कार्यशाला का प्रयोग क्रियात्मक पक्ष के विकास के लिए किया जाता है।

कार्यशाला एक निश्चित विषय पर परिचर्चा का प्रायोगिक कार्य होता है, जिसमें समूह के सदस्य अपने ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान द्वारा विषय के बारे में सीखते हैं।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
Scanned with CamScanner

सम्मेलन (Conference)

सम्मेलन व्यक्तियों की एक सभा होती है, जिसमें उन्हें एक निश्चित समय में एक साथ किसी विशिष्ट कार्य या समस्या चिन्तन करना होता है।

शिक्षा के क्षेत्र में उच्च अधिगम के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण प्रविधि है। शिक्षा के ज्ञानात्मक एवं भावात्मक उच्च उद्देश्यों प्राप्ति की जाती है। यह एक बड़े समूह की सभा होती है, इसके अन्तर्गत तात्कालिक गम्भीर समस्याओं पर विचार किया है। आधुनिक समय में सम्मेलन का महत्त्व प्रत्येक क्षेत्र में व्याप्त है। प्रजातान्त्रिक मूल्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सम्मेलन प्रविधि का विशेष महत्त्व है।

सम्मेलन का आयोजन तीन स्तरों पर किया जाता है—

1 **क्षेत्रीय सम्मेलन** क्षेत्रीय समस्याओं को प्राथमिकता।
2 **राष्ट्रीय सम्मेलन** राष्ट्र सम्बन्धी धार्मिक, शैक्षिक, सामाजिक, राजनीतिक विषय।
3 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन** इसमें मानवीय समस्या, वैज्ञानिक आविष्कार, नये उपागम सम्बन्धी समस्या पर चिन्तन और विवेचन किया जाता है।

सम्मेलन का उद्‌देश्य समूह के व्यक्तियों के ज्ञान, अनुभव, विचार, भावनाओं एवं राय के आधार पर एक समान उद्‌देश्य के लिए सलाह-मशविरा एवं परिचर्चा करना है।

यह एक प्रकार की सभा होती है, जहाँ सदस्य अपने ज्ञान का संग्रहण, प्रस्तुत विषय से सम्बन्धित सूचनाओं पर अपने विचार एवं दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करते हैं। सदस्य अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं पर विचार करते हैं। समूह को सम्मेलन का उद्‌देश्य निर्धारित करना पड़ता है।

सम्मेलन की प्रक्रिया (Process of Conference)

सम्मेलन की कार्यवाही को निम्न चरणों में विभक्त किया जा सकता है—

1 **प्रारम्भ** सभाध्यक्ष, सभा के विषय, समस्या, उद्‌देश्य आदि के बारे में बताता है तथा सम्मेलन की पृष्ठभूमि को भी स्पष्ट करता है इसके बाद परिचर्चा शुरू होती है।
2 **परिचर्चा** प्रथम प्रश्न पूरे समूह के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। जब समूह के सदस्य उत्तर देना प्रारम्भ करते हैं तो परिचर्चा की कार्यवाही शुरू हो जाती है। कोई भी सदस्य इसका उत्तर दे सकता है। यदि परिचर्चा समाप्त प्रतीत होती है तो सभाध्यक्ष प्रश्न प्रस्तुत कर सदस्यों को अधिक विचार-विमर्श के लिए प्रेरित करता है।
3 **समापन** सम्मेलन के समापन पर सभाध्यक्ष मुख्य बिन्दुओं का संक्षिप्तीकरण कर निष्कर्ष निकालने का प्रयास करता है और विशिष्ट सुझाव भी देता है।
4 **सम्मेलन के बाद** निष्कर्ष की प्रति सभी सम्भागियों को सभाध्यक्ष द्वारा दी जाती है।

परिसंवाद (Symposium)

'सिम्पोजियम' शब्दकोश का प्रयोग सर्वप्रथम प्लेटो ने एक सुन्दर आदान-प्रदान के लिए किया था, जिसमें ईश्वर के प्रति विचार प्रस्तुत किए गए थे।

"यह एक ऐसा समूह है जिसमें श्रोता को उत्तम प्रकार के विचारों से अवगत कराया जाता है। श्रोता प्रकरण सम्बन्धी सामान्य तैयारी के अपने मंजे हुए विचारों को सम्मिलित करते हैं और नीति, मूल्यों तथा बोधगम्यता के सम्बन्ध में निर्णय लेते हैं।"

एक से अधिक व्यक्तियों की राय के अनुसार कोई निर्णय लेना होता है तो ऐसे सभी व्यक्तियों को आपस में बैठकर उस विषय पर वार्तालाप करना होता है। ऐसे वार्तालाप को परिसंवाद की संज्ञा दी जा सकती है। विस्तृत अर्थ के रूप में परिसंवाद सामूहिक निर्णय लेने की एक ऐसी तकनीक है, जिससे अधिकांश अथवा सभी लोग उस निर्णय के पक्ष में हों।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
Scanned with CamScanner

शोध प्रबन्ध शोध सम्बन्धी विवरण का एक सुव्यवस्थित रूप है, इसमें किसी समस्या का अनुसन्धान अथवा अध्ययन किया जाता है। इसे मुख्यत: तीन सामान्य भागों में रखकर अध्ययन किया जाता है—

(क) प्राथमिकताएँ (Priorities)

(i) मुखपृष्ठ
(ii) अनुमोदन पत्र
(iii) प्राक्कथन
(iv) विषय सारणी
(v) तालिका सूची
(vi) आकृति अथवा लेखाचित्र या चित्रण की सूची
(vii) निष्कर्ष अथवा सारांश

(ख) शोध प्रबन्ध का पाठनयोग्य प्रमुख भाग (Important Readable Part of Research Work)

(i) भूमिका

(ii) अध्ययन का मुख्य विवरण (अध्यायों के अनुसार)
- सम्बन्धित उपयुक्त साहित्य का पुनरावलोकन
- समस्या तथा कार्यप्रणाली
- परिणामों का प्रस्तुतीकरण अथवा प्रदत्तों का विश्लेषण
- अर्थापन तथा व्याख्या
- परिणाम तथा सुझाव

(iii) सारांश

(ग) सन्दर्भ में ग्रन्थ एवं परिशिष्ट (Tome and Appendix)

(i) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची
(ii) परिशिष्ट
(iii) सूचकांक

शोध प्रबन्ध की विशेषताएँ (Characteristics of Research Work)

1 शोध प्रबन्ध, शोध का ऐसा स्वरूप है, जिसमें समस्याओं के केवल सैद्धान्तिक अध्ययन पर ही जोर नहीं दिया जाता है बल्कि इसमें व्यावहारिक अध्ययन पर भी बल दिया जाता है।

2 इसका उद्देश्य व्यावहारिक समस्याओं के साथ-साथ उद्योगों में भी सुधार लाना है।

3 शोध प्रबन्ध में घटनाओं की वस्तुस्थिति को समझकर उनके तथ्यों का अध्ययन करके उन तथ्यों के आधार पर व्यावहारिक समस्या के हल के लिए प्रयत्न करना होता है।

4 शोध प्रबन्ध में अनुसन्धान के सैद्धान्तिक पक्ष की अपेक्षा व्यावहारिक पक्ष हावी होता है।

5 चूँकि शोध प्रबन्ध में व्यावहारिक समस्याओं के हल का प्रयत्न किया जाता है, अत: कार्यकर्ता की वास्तविक रुचि और सक्रियता की आवश्यकता होती है।

शोध प्रबन्ध लेखन शैली (Writing Skill of Research Work)

शोधकर्ताओं को लिखने तथा विवरणों के प्रस्तुतीकरण की शैली तथा कला का ज्ञान होना चाहिए। शैली केवल निरन्तर अभ्यास तथा अध्ययन द्वारा ही विकसित हो सकती है। भाषा के प्रकाण्ड विद्वानों तथा अनुभवी लेखकों द्वारा इस विषय में सहायता ली जाती है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

शोध प्रबन्ध लिखने का प्रारूप (Format of Writing Research Work)

1 शोधकर्ता का नाम
2 शोधकार्य का शीर्षक
3 स्थान
4 प्रस्तावित शोध के मुख्य उद्‌देश्य
5 प्रस्तावित शोध कार्य का महत्त्व
6 प्रस्तावित शोध विषय के साहित्य का सर्वेक्षण
7 प्रस्तावित शोध का अध्ययन (अध्यायों की संख्या)
8 शोधकार्यों की सम्भावित अवधि
9 प्रस्तावित शोध कार्य हेतु उपलब्ध सुविधाएँ
10 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

शोध प्रबन्ध को सृजनात्मक रूप में लिखना चाहिए, जिससे विचारों की अभिव्यक्ति स्पष्ट तथा सरल हो। शोध लेखन में शोधकर्ता के व्यक्तिगत विचारों का क्षेत्र बहुत कम रहता है। अत: शोध लेखन में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए—

1 शोध प्रबन्ध के लेखन में आदि से अन्त तक सभी क्रियाओं को एक ही प्रवाह के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।
2 शोध प्रबन्ध की भाषा तथा प्रस्तुतीकरण का प्रारूप वैज्ञानिक होना चाहिए।
3 प्रबन्ध लेखन में शीघ्रता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इसको कई बार संशोधन की आवश्यकता होती है।
4 शोध प्रबन्ध को सामान्यत: भूतकाल में अन्य पुरुष में लिखा जाता है। आभार प्रदर्शन को प्रथम पुरुष में लिखना चाहिए।
5 शोध प्रबन्ध लेखन के समय तथा टंकण में लेखन तकनीकी का प्रयोग समुचित ढंग से करना चाहिए।
6 शोध प्रबन्ध का टंकण 11" × 9" के आकार के ब्रांडेड कागज पर किया जाता है। सम्पूर्ण टंकण एक ही मशीन पर किया जाना बेहतर होता है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

वर्णनात्मक अनुसन्धान के प्रकार—

1 सर्वेक्षण अध्ययन

2 अन्तर्सम्बन्धों का अध्ययन

3 विकासात्मक अध्ययन

प्रयोगात्मक अनुसन्धान (Experimental Research)

यह ऐसी विधि है जिसमें हम किसी सूक्ष्म समस्या का समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। यह विधि अर्थ एवं उपयोगिता की दृष्टि से व्यावहारिक है। इसमें अध्ययन नियन्त्रित परिस्थिति में किया जाता है। यह विधि एकल चर की धारणा पर आधारित है। यह सभी विज्ञानों में प्रयुक्त की जाती है।

प्रयोगात्मक अनुसन्धान के विभिन्न चरण इस प्रकार हैं—

- समस्या से सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण।
- समस्या का चयन एवं परिभाषीकरण।
- परिकल्पना निर्माण, विशिष्ट पदावली तथा चरों की व्याख्या।
- प्रयोगात्मक योजना का निर्माण।
- प्रयोग करना।
- आँकड़ों का संकलन एवं सारणीयन।
- प्राप्त निष्कर्ष का मापन।
- निष्कर्ष का विश्लेषण एवं व्याख्या।
- निष्कर्ष का विधिवत् प्रतिवेदन तैयार करना।

क्रियात्मक अनुसन्धान (Actionable Research)

कोर के अनुसार, "यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यावहारिक कार्यकर्ता वैज्ञानिक विधि से अपनी समस्याओं का अध्ययन, अपने निर्णय व क्रियाओं में निर्देशन, सुधार और मूल्यांकन करते हैं।"

क्रियात्मक अनुसन्धान, शोध का ऐसा स्वरूप है जिसमें समस्याओं के सैद्धान्तिक अध्ययन के साथ, उसके व्यावहारिक अध्ययन पर न केवल बल दिया जाता है, बल्कि व्यावहारिक पक्ष अधिक हावी होता है। क्रियात्मक शोधकर्त्ता घटनाओं की वस्तुस्थिति को समझकर, उनके तथ्यों का अध्ययन करके उन तथ्यों के आधार पर व्यावहारिक समस्या के हल के लिए प्रयत्न करता है।

क्रियात्मक शोध के चरण—

1 समस्या का अभिज्ञान

2 कार्य के लिए प्रस्ताव पर विचार-विमर्श

3 क्रियात्मक परिकल्पना का निर्माण करना

4 परिकल्पना की जाँच करना

5 योजना का क्रियान्वयन व तथ्य संकलन

6 तथ्यों का वर्गीकरण, विश्लेषण व व्याख्या

7 सुझाव

शिक्षा क्षेत्र में क्रियात्मक शोध का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

विभिन्न श्रेणी के बालकों के लिए अलग-अलग तरह का पाठ्यक्रम निर्धारित करने, बदलाव लाने, इसे समय के अनुरूप करने का कार्य, क्रियात्मक शोध द्वारा किया जाता है।

यह शिक्षार्थियों के साथ शिक्षकों की समस्याओं का भी हल करता है। शैक्षिक प्रगति के मूल्यांकन का कार्य भी इस पद्धति द्वारा किया जाता है।

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

98. प्रश्नावली में अनुसन्धानकर्ता उत्तरदाता को विश्वास दिलाता है कि उसके भेजे गए सभी उत्तर–
(A) गोपनीय रखे जाएँगे
(B) उसके मित्रों को बता दिए जाएँगे
(C) उसके परिवार के सदस्यों को बताए जाएँगे
(D) उसको वापस भेजे जाएँगे

99. सैम्पल का चुनाव करने में सावधानी हो कि ऐसे व्यक्तियों का चयन किया जाए–
(A) जो कुशल नेता हों
(B) जो कुशल प्रशासक हों
(C) जो व्यक्तियों का सही प्रतिनिधित्व कर सकें
(D) जो कानून के ज्ञाता हों

100. अनुसूची में ऐसे प्रश्नों का समावेश नहीं होना चाहिए जो
(A) स्पष्ट हों
(B) संक्षिप्त हों
(C) सरल हों
(D) गुप्त रहस्यों का उद्‌घाटन करें

101. निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही है?
(A) अनुसन्धान में उद्‌देश्यों को प्रश्न के रूप में लिपिबद्ध किया जा सकता है
(B) अनुसन्धान में उद्‌देश्यों को कथन के रूप में लिपिबद्ध किया जा सकता है
(C) उद्‌देश्यों को थीसिस के प्रथम अध्याय में ही वर्णित करना होता है
(D) उपरोक्त सभी

102. एक महाविद्यालय अपने शोधार्थियों को सामाजिक विज्ञानों के लिए सांख्यिकीय पैकेज की प्रयोगविधि में प्रशिक्षित करना चाहता है। इसके लिए उसे आयोजित करना चाहिए–
(A) सम्मेलन (B) संगोष्ठी
(C) कार्यशाला (D) लैक्चर

103. वर्णनात्मक अनुसन्धान में सबसे पहले किया जाता है–
(A) नियमों का निर्धारण
(B) उद्‌देश्यों का स्पष्टीकरण
(C) 'A' और 'B' दोनों
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

104. किसी शोध कार्य की एक विशेषता है–
(A) पुनरावृत्ति (B) सामान्यीकरण
(C) उपयोगिता (D) वस्तुनिष्ठता

105. किसी शोधकर्ता से अपेक्षा की जाती है कि वह–
(A) एक क्षेत्र में उपलब्ध साहित्य का अध्ययन करे
(B) नये नियमों तथा सिद्धान्तों की खोज करे
(C) दूसरों द्वारा दिए गए विचारों का समन्वय करे
(D) दूसरों द्वारा की गई खोज का मूल्यांकन करे

106. अनुसन्धान के छः सोपानों में कौन-सा नहीं है?
(A) समस्या का चयन करना
(B) परिकल्पना का प्रतिपादन
(C) शोध की रूपरेखा तैयार करना
(D) प्रदत्तों का सामान्यीकरण

107. परिसंवाद 'सिम्पोजियम' शब्द का प्रयोग किसने किया?
(A) प्लेटो (B) अरस्तू
(C) हैरोडोटस (D) पाइथागोरस

108. विश्वविद्यालय या महाविद्यालय द्वारा किस सेमिनार का आयोजन किया जाता है?
(A) लघु सेमिनार (B) मुख्य सेमिनार
(C) राष्ट्रीय सेमिनार (D) अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

109. कार्यशाला की कौन-सी अवस्था अनुकरण-प्रविधि कही जाती है?
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) तृतीय (D) चतुर्थ

110. जब चुने गए नमूने जनसंख्या के परिमाप के विषय में किसी भी शर्त को पूरा नहीं करते हैं तो उन्हें कहा जाता है–
(A) वितरण रहित सांख्यिकी
(B) चयनित सांख्यिकी
(C) जनगणना
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

111. ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड का सम्बन्ध ······ से है।
(A) प्राथमिक शिक्षा (B) माध्यमिक शक्षा
(C) प्रौढ़ शिक्षा (D) इनमें से कोई नहीं

112. किंडर गार्टन का तात्पर्य है–
(A) पुष्प वाटिका (B) बाल उद्यान
(C) फलों का उद्यान (D) छोटा उद्यान

113. निम्नलिखित में से सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन का सबसे प्रभावी साधन है–
(A) सार्वभौमिक शिक्षा
(B) वाँछनीय सामाजिक परिवर्तन
(C) तीव्र आर्थिक विकास
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

114. एक बेहतर मानवीय सम्बन्ध स्थापित करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है?
(A) अपनी भावनाओं को समझना
(B) दूसरों की भावनाओं को समझना
(C) अपनी सुविधाओं का ध्यान रखना
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

115. चेतना एवं जागरूकता ······ हेतु अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है
(A) अनुसन्धान (B) शिक्षण
(C) समग्र जीवन (D) इनमें से कोई नहीं

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

141. सम्मेलन प्रायः ...... स्तरों पर आयोजित किए जाते हैं।
(A) तीन (B) चार
(C) दो (D) पाँच

142. शोध-पत्र लेखन हेतु निम्नलिखित में से क्या आवश्यक है?
(A) शोध सम्बन्धी दक्षताएँ (B) शोध सम्बन्धी योग्यताएँ
(C) शोधपरक अभिवृत्तियाँ (D) ये सभी

143. अनुसन्धान एक ...... खोज है।
(A) ईमानदारी से की जाने वाली
(B) निरर्थक
(C) सार्थक
(D) जटिल

144. सिम्पोजियम एक ...... मनोरंजन है।
(A) बौद्धिक (B) अनुसन्धान युक्त
(C) रोचक (D) इनमें से कोई नहीं

145. शोध सम्मेलन ...... के लिए आयोजित किए जाते हैं।
(A) मार्गदर्शन (B) एकत्रित होने
(C) खुशी मनाने (D) इनमें से कोई नहीं

146. एक अनुसन्धान सम्मेलन में निम्नलिखित में से कौन होते हैं?
(A) जनसाधारण व्यक्ति (B) स्थायी सदस्य
(C) अस्थायी सदस्य (D) इनमें से कोई नहीं

147. विचार गोष्ठी के प्रकार निम्नलिखित में से क्या है?
(A) मुख्य विचार गोष्ठी
(B) राष्ट्रीय विचार गोष्ठी
(C) अन्तर्राष्ट्रीय विचार गोष्ठी
(D) उपरोक्त सभी

148. विश्वकोष में सम्पादित सामग्री को ...... माना जाता है।
(A) द्वितीयक स्रोत (B) असतत् स्रोत
(C) प्राथमिक स्रोत (D) इनमें से कोई नहीं

149. निम्नलिखित में से कौन अनुसन्धान के प्रमुख भाग हैं?
(A) मुखपृष्ठ-प्रमुख भाग
(B) मुखपृष्ठ-धड़ तथा पश्च भाग
(C) अग्रपृष्ठ एवं पश्च भाग
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

150. शोध प्राक्कलन का शब्द ...... होना चाहिए।
(A) सतर्क (B) सधा हुआ
(C) विनीत (D) ये सभी

151. अनुसन्धान प्रारूप का मुखपृष्ठ ...... होना चाहिए।
(A) अतार्किक (B) सौन्दर्यबोधक
(C) तार्किक (D) अव्यवस्थित

152. अध्यायों का संयोजन निम्नलिखित में से किस क्रम में होना चाहिए?
(A) वैज्ञानिक क्रम (B) सत्यता क्रम
(C) 'A' एवं 'B' दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

153. प्रायः शोध ग्रन्थ रिपोर्ट को ... के क्रम में लिखा जाना चाहिए।
(A) वर्तमान काल (B) भूतकाल
(C) भविष्यत काल (D) इनमें से कोई नहीं

154. जब शोध ग्रन्थ को एम०ए०, एम०फिल, एम०एड० जैसी उपाधियों की पूर्ति हेतु लिखा जाता है, तो आवश्यकता होती है-
(A) अनुमोदित पत्र की (B) अनुसन्धान पत्र की
(C) शोध पत्र की (D) इनमें से कोई नहीं

155. सम्मेलन के स्तर हैं-
(A) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर (B) राष्ट्रीय स्तर
(C) क्षेत्रीय स्तर (D) ये सभी

156. कार्यशाला में भागीदारी करने वाले व्यक्ति हैं-
(A) संचालक (B) आयोजक
(C) विषय-विशेषज्ञ (D) ये सभी

157. कार्यशाला के उद्देश्य हैं-
(A) ज्ञानात्मक उद्देश्य
(B) भावात्मक उद्देश्य
(C) मनःक्रियात्मक उद्देश्य
(D) उपरोक्त सभी

158. विचार गोष्ठी के संघटक तत्त्व हैं-
(A) व्यवस्थापक (B) अध्यक्ष
(C) वक्तागण एवं सहभागी (D) ये सभी

159. शोध प्रक्रिया के दर्शन के प्रमुख अंग हैं-
(A) मेटाफिजिक्स (B) एपीस्टिमोलॉजी
(C) एथिक्स (D) ये सभी

160. एक उत्तम केस-स्टडी की कसौटी है-
(A) गुप्त प्रलेखन
(B) सात्यता
(C) प्रदत्तों की पूर्णता एवं वैधता
(D) उपरोक्त सभी

161. निम्नलिखित में से कौन केस-स्टडी का स्रोत नहीं है?
(A) व्यक्तिगत लेख (B) जीवनवृत्त लेख
(C) राजकीय प्रमाण (D) अव्यक्तिगत लेख

162. ऐतिहासिक अनुसन्धान विधि के चरण हैं-
(A) समस्या की पहचान
(B) प्रदत्त संकलन
(C) प्रदत्तों की समालोचना एवं अर्थापन करना
(D) उपरोक्त सभी

163. न्यादर्श सम्बन्धी त्रुटियाँ हैं-
(A) यादृच्छिक त्रुटियाँ (B) सुव्यवस्थित त्रुटियाँ
(C) मापन त्रुटियाँ (D) ये सभी

164. अनुसन्धान समस्याओं के प्रकार हैं-
(A) दार्शनिक समस्या (B) ऐतिहासिक समस्या
(C) सैद्धान्तिक समस्या (D) ये सभी

Scanned with CamScanner

116. प्रयोगशाला ज्ञान ...... से सिद्धान्त को मूर्त एवं व्यावहारिक बनाता है।
(A) बाह्यक्रिया (B) अन्तःक्रिया
(C) प्रायोगिक उपकरणों (D) इनमें से कोई नहीं

117. व्यवसाय का चयन ...... पर निर्भर होना चाहिए।
(A) समाज (B) मित्रों
(C) अपनी रुचि (D) इनमें से कोई नहीं

118. निम्नलिखित में से कौन शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाते हैं?
(A) अधिगमकर्ता (B) शासन
(C) पाठ्यक्रम (D) इनमें से कोई नहीं

119. अध्यापक एवं अभिभावकों के बीच ... सम्बन्ध होना चाहिए।
(A) प्रगाढ़ (B) औपचारिक
(C) अनौपचारिक (D) घनिष्ठ

120. क्रियात्मक अनुसन्धान किए जाते हैं–
(A) तात्कालिक समस्याओं के समाधान हेतु
(B) दीर्घकालीन समस्याओं के समाधान हेतु
(C) बौद्धिक विकास हेतु
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

121. क्रॉस-काट अनुसन्धानों का सम्बन्ध ...... से है।
(A) सांख्यिकी (B) जनांकिकी
(C) न्यादर्श (D) इनमें से कोई नहीं

122. निम्नलिखित में से परिकल्पना का प्रारूप क्या है?
(A) प्रश्न प्रारूप (B) दिशा प्रारूप
(C) घोषित कथन प्रारूप (D) ये सभी

123. एक अनुसन्धानकर्ता का प्रमुख गुण निम्नलिखित में से क्या होता है?
(A) कल्पनाशीलता (B) निरन्तर प्रयास
(C) जिज्ञासा प्रवृत्ति (D) इनमें से कोई नहीं

124. सिनोप्सिस तैयार करना निम्नलिखित में से क्या है?
(A) कला (B) विज्ञान
(C) कला एवं विज्ञान दोनों (D) साधन

125. उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श निम्नलिखित में से किस पर आधारित होता है?
(A) किसी एक विशेष उद्देश्य पर आधारित
(B) न्यादर्श पर आधारित
(C) अनुसन्धानकर्ता की सुविधा पर आधारित
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

126. सिडविस्ट के अनुसार प्रायोगिक प्रारूप ...... प्रकार के होते हैं।
(A) चार (B) छः
(C) तीन (D) दो

127. प्रयोगात्मक विधि के प्रकार हैं–
(A) समूह प्रयोग (B) समानान्तर समूह प्रयोग
(C) क्रमावर्तन समूह प्रयोग (D) ये सभी

128. चर मुख्यतः ...... प्रकार के होते हैं।
(A) दो (B) चार
(C) तीन (D) पाँच

129. निम्नलिखित में से कौन एक चर नियम के जन्मदाता हैं?
(A) जेम्स एस० मिल (B) थॉमस हॉब्स
(C) स्टेन्टन (D) ड्यूमा

130. माउले के अनुसार अनुसन्धान विधि ...... प्रकार की होती हैं।
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) इनमें से कोई नहीं

131. चर की प्रकृति के आधार पर सर्वेक्षण विधि ...... प्रकार की होती हैं।
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) इनमें से कोई नहीं

132. सर्वेक्षण विधि में न्यादर्श की स्थिति ...... रूप से होती है।
(A) आंशिक (B) अनिवार्य
(C) अचर (D) इनमें से कोई नहीं

133. एक उत्तम केस-स्टडी की कसौटी है–
(A) पूर्णता (B) अपूर्णता
(C) अवैधता (D) आसत्यता

134. निम्नलिखित में से कौन-सी विधि बाल अपराधी प्रवृत्तियों पर अनुसन्धान के लिए एक सर्वोत्तम विधि है?
(A) केस-स्टडी (B) सैद्धान्तिक
(C) आनुवंशिकी (D) घटनोत्तर अनुसन्धान

135. अनुसन्धान एक ...... प्रक्रिया है।
(A) मूल्य रहित (B) मूल्यपरक
(C) प्रामाणिक (D) आत्मिक

136. अनुसन्धान की 'ethics' का सम्बन्ध निम्नलिखित मे से किससे है?
(A) वैज्ञानिक विधि (B) मानवीयता
(C) विश्वसनीयता (D) ये सभी

137. मूल्यों का अध्ययन ...... के अन्तर्गत किया जाता है।
(A) एथिक्स (ethics) (B) मेटामोरफोसिस
(C) मेटासाइंस (D) इनमें से कोई नहीं

138. अनुसन्धान को मूल्यपरक बनाने के लिए उसमें ...... को सुनिश्चित किया जाता है।
(A) विश्वसनीयता (B) बाजार मूल्य
(C) अंकित (D) बट्टा मूल्य

139. प्रदूषित तथ्य ...... को जन्म देते हैं।
(A) बेहतर अनुसन्धान (B) प्रदूषित अनुसन्धान
(C) बेहतर परिणाम (D) इनमें से कोई नहीं

140. अनुसन्धान का प्रत्येक शब्द ...... होना चाहिए।
(A) रोचक (B) विवादपूर्ण
(C) औचित्यपूर्ण (D) इनमें से कोई नहीं

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

188. ...... पर स्वतन्त्र चर के प्रभाव का अध्ययन किया जाता है।
(A) स्वतन्त्र चर (B) परतन्त्र पर
(C) नियन्त्रित चर (D) मध्यवर्ती चर

189. प्रयोगात्मक विधि ...... नियम की अवधारणा पर आधारित है।
(A) एक चर (B) दो चर
(C) बहुल चर (D) इनमें से कोई नहीं

190. प्रयोगात्मक विधि के चरण हैं–
(A) समस्या-चयन (B) प्रदत्त संकलन
(C) प्रदत्त-विश्लेषण (D) ये सभी

191. घटनोत्तर प्रारूप के प्रकार हैं–
(A) सहसम्बन्ध प्रारूप (B) मानक समूह प्रारूप
(C) 'A' एवं 'B' दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

192. केस-स्टडी विधि निम्नलिखित में से किन अध्ययनों की ओर संकेत करती है?
(A) गहन अध्ययन (B) संचयी अध्ययन
(C) उपचारात्मक अध्ययन (D) ये सभी

193. केस-स्टडी के उद्देश्य हैं–
(A) उपचारात्मक उद्देश्य (B) निदानात्मक उद्देश्य
(C) मनोवैज्ञानिक उद्देश्य (D) ये सभी

194. केस-स्टडी की सीमाएँ हैं–
(A) विषयनिष्ठता
(B) सूचनाओं के संकलन की अव्यवस्था
(C) समय एवं धन का अपव्यय
(D) उपरोक्त सभी

195. अनुसन्धान अभिकल्प हैं–
(A) न्यादर्श (B) यन्त्र एवं उपकरण
(C) सांख्यिकीय प्रविधियाँ (D) ये सभी

196. अनुसन्धान प्रक्रिया में ...... का केन्द्रीय महत्त्व है।
(A) चिन्तन स्तर (B) बौद्धिक स्तर
(C) नैतिक स्तर (D) इनमें से कोई नहीं

197. विचार गोष्ठी आयोजन के उद्देश्य हैं–
(A) ज्ञानात्मक उद्देश्य (B) भावात्मक उद्देश्य
(C) 'A' एवं 'B' दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

198. उत्तम शोध सारांश की विशेषताएँ हैं–
(A) सुबोध एवं सुगम्य
(B) नवीन ज्ञान का योगदान
(C) शोध सार की जनसामान्य तक पहुँच
(D) उपरोक्त सभी

199. शोध प्रबन्ध को प्रायः ...... पुरुष के रूप में लिखा जाना चाहिए।
(A) प्रथम (B) द्वितीय
(C) अन्य (D) इनमें से कोई नहीं

200. शोध ग्रन्थ लेखन प्रविधि के अन्तर्गत एक शोधकर्ता को निम्नलिखित में से किन बिन्दुओं पर ध्यान देना चाहिए?
(A) उद्धरित सामग्री (B) सन्दर्भ पाद टिप्पणी
(C) सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (D) ये सभी

201. शोध सदैव है–
(A) पूर्व ज्ञान का सत्यापन
(B) नूतन ज्ञान की गवेषणा
(C) ज्ञान के अन्तराल की पूर्ति
(D) उपरोक्त सभी

202. प्रयोगात्मक शोध में जो प्रक्रिया आवश्यक नहीं है, उसे कहा जाता है–
(A) अवलोकन (B) परिचालन एवं प्रतिकृति
(C) नियन्त्रित (D) सन्दर्भ एकत्रण

203. एक शोध समस्या तब व्यवहार्य नहीं है जब–
(A) यह शोध करने योग्य है
(B) वह नई हो और ज्ञान में कुछ वृद्धि करती है
(C) वह स्वतन्त्र और गैर स्वतन्त्र चरों से युक्त हो
(D) इसकी उपयोगिता व प्रासंगिकता हो

204. अनुसंधान की रिपोर्ट में ग्रन्थ सूची–
(A) शोधार्थी के व्यापक ज्ञान को दर्शाती है
(B) जो भावी अनुसन्धान में दिलचस्पी रखते हैं, उनकी सहायता करती है
(C) अनुसन्धान के लिए उसकी कोई प्रासंगिकता नहीं है
(D) उपरोक्त सभी

205. मौलिक अनुसन्धान किसकी योग्यता को दर्शाता है?
(A) नये आदर्शों का संश्लेषण
(B) नये सिद्धान्तों की स्थापना
(C) अनुसन्धान की विद्यमान सामग्री का मूल्यांकन
(D) विद्यमान विभिन्न शीर्षकों पर उपलब्ध साहित्य का अध्ययन

206. अध्ययन में अनुसन्धानकर्ता प्रभाव को खोजने का प्रयास करता है। उसे कहते हैं–
(A) सर्वेक्षण अनुसन्धान
(B) 'एक्ट-पोस्ट फैक्टो' अनुसन्धान
(C) ऐतिहासिक अनुसन्धान
(D) समेकित अनुसन्धान

207. अनुसन्धान का आँकड़ा मुख्यतः है–
(A) केवल गुणात्मक (B) केवल मात्रात्मक
(C) 'A' तथा 'B' दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

208. अनुसन्धान के सैद्धान्तिक उद्देश्य होते हैं–
(A) व्याख्यात्मक
(C) (B)

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

165. टाउनसैण्ड के अनुसार समस्या ...... के लिए प्रस्तावित प्रश्न है।
(A) समाधान (B) अनुसन्धान
(C) ज्ञान (D) मनोरंजन

166. 'अनुसन्धान' शब्द का सन्धि-विच्छेद है–
(A) अनु + सन्धान (B) अन + ऊ + सन्धान
(C) अन + उसन्धान (D) इनमें से कोई नहीं

167. अनुसन्धान का शाब्दिक अर्थ है–
(A) लक्ष्य का अनुगामी होना (B) ज्ञान का अनुगामी होना
(C) धर्म का अनुगामी होना (D) इनमें से कोई नहीं

168. अनुसन्धान के उद्‌देश्य हैं–
(A) सैद्धान्तिक (B) तथ्यात्मक
(C) सत्यात्मक (D) ये सभी

169. योगदान के दृष्टिकोण से अनुसन्धान के प्रकार हैं–
(A) मौलिक अनुसन्धान (B) क्रियात्मक अनुसन्धान
(C) व्यवहृत अनुसन्धान (D) ये सभी

170. अनुसन्धान के स्तर हैं–
(A) प्रदत्तों का संकलन (B) आन्तरिक वैधता
(C) बाह्य वैधता (D) ये सभी

171. अनुसन्धान का तृतीय स्तर ...... है।
(A) बाह्य वैधता (B) आन्तरिक वैधता
(C) सैद्धान्तिक अनुसन्धान (D) इनमें से कोई नहीं

172. ...... में ज्ञान की प्रगति एवं वृद्धि नहीं होती है।
(A) व्यवहृत अनुसन्धान (B) क्रियात्मक अनुसन्धान
(C) प्रयोगात्मक अनुसन्धान (D) इनमें से कोई नहीं

173. एक अनुसन्धानकर्ता में गुण होने चाहिए–
(A) कल्पनाशीलता (B) स्वतन्त्र विचार
(C) धैर्य (D) ये सभी

174. समस्या की विशेषताएँ होनी चाहिए–
(A) स्पष्ट एवं मूर्त
(B) मापन सीमा युक्त
(C) व्यावहारिक रूप से उपयोगी
(D) उपरोक्त सभी

175. जॉन डब्ल्यू० बेस्ट के अनुसार परिकल्पना एक ...... कथन है।
(A) काल्पनिक (B) वास्तविक
(C) आभासी (D) विचारयुक्त

176. परिकल्पना समस्या को ...... तक पहुँचाती है।
(A) अनुसन्धान (B) समाधान
(C) लक्ष्य (D) इनमें से कोई नहीं

177. परिकल्पना के प्रकार हैं–
(A) प्रश्न रूप (B) घोषित कथन
(C) दिशायुक्त कथन (D) ये सभी

178. प्रश्न रूप परिकल्पना का प्रयोग ...... अनुसन्धानों में किया जाता है।
(A) जटिल (B) कठिन
(C) सरल (D) आन्तरिक

179. अनुसन्धान का तृतीय पद है–
(A) अनुसन्धान का अभिकल्प
(B) अनुसन्धान का लक्ष्य
(C) अनुसन्धान का समायोजन
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

180. न्यादर्श चयन के लाभ हैं–
(A) समय एवं धन की बचत (B) शक्ति की बचत
(C) सत्यता का ज्ञान (D) ये सभी

181. न्यादर्श के प्रकार हैं–
(A) सम्भाव्य न्यादर्श (B) असम्भाव्य न्यादर्श
(C) 'A' एवं 'B' दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

182. अनुसन्धान में सर्वेक्षण विधि का प्रमुख उद्‌देश्य है–
(A) वर्तमान में इनका रूप क्या है
(B) पहले इनका रूप क्या था
(C) आगे इनका रूप क्या होगा
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

183. सर्वेक्षण विधि से निम्नलिखित में से कौन-सी सूचनाएँ संगृहीत की जाती हैं?
(A) वर्तमान स्थिति क्या है
(B) हम क्या चाहते हैं
(C) हम उन्हें कैसे प्राप्त कर सकते हैं
(D) उपरोक्त सभी

184. दार्शनिक अनुसन्धान के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किन पक्षों को महत्त्व दिया जाता है?
(A) तर्कशास्त्र (B) तत्त्वमीमांसा
(C) ज्ञानमीमांसा (D) ये सभी

185. ऐतिहासिक अनुसन्धान विधि के ...... सोपान हैं।
(A) दो (B) तीन
(C) चार (D) पाँच

186. चैपलिन के अनुसार ...... दशाओं में किए गए निरीक्षण प्रयोग हैं।
(A) अनियन्त्रित (B) बहुआयामी
(C) नियन्त्रित (D) इनमें से कोई नहीं

187. प्रयोगात्मक विधि का मुख्य उद्‌देश्य है
(A) विभिन्न चरों के बीच पारस्परिक सम्बन्धों की खोज करना
(B) समस्या का समाधान करना
(C) उद्‌देश्यपूर्ण अनुसन्धान करना
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner

209. एक अनुसन्धान को होना चाहिए–

(A) वस्तुनिष्ठ (B) वैध

(C) विश्वसनीय (D) ये सभी

210. एक शोधकर्ता से अपेक्षा की जाती है–

(A) क्षेत्र से सम्बन्धित सभी पुस्तकों का अध्ययन

(B) नए सिद्धान्तों का पता लगाना

(C) दूसरों के द्वारा दी गई जानकारियों का उपयोग

(D) प्राप्त शिक्षा का मूल्यांकन

211. शोध की एक महत्त्वपूर्ण विशिष्टता होती है–

(A) परिपूर्णता (B) सामान्यता

(C) उपयोगिता (D) वस्तुनिष्ठता

212. क्रियानिष्ठ शोध का भाव है–

(A) देशान्तरीय शोध

(B) व्यावहारिक शोध

(C) एक शोध जिसे किसी जरूरी समस्या के समाधान के लिए प्रारम्भ किया गया हो

(D) सामाजिक-आर्थिक ध्येय से की गई शोध

213. अनुसन्धान में एक सामान्य परीक्षण में प्राथमिकता दी जाती है

(A) विश्वसनीयता को (B) प्रयोग को

(C) वस्तुनिष्ठता को (D) ये सभी

214. निम्नलिखित में से शोध-प्रक्रिया प्रारम्भ करने का प्रथम चरण कौन-सा है?

(A) समस्या का निर्धारण करने के लिए सूचना के स्रोतों की खोज

(B) सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

(C) समस्या की पहचान

(D) समस्या का समाधान ढूँढना

215. यदि कोई शोधकर्ता इस आशय से शोध करता है कि कौन-सा प्रबन्धकीय ढंग ज्यादा संगठनात्मक प्रभावशाली होगा, तब यह किस शोध का उदाहरण होगा?

(A) आधारभूत शोध (B) क्रियानिष्ठ शोध

(C) व्यावहारिक शोध (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (D)	2. (B)	3. (D)	4. (C)	5. (C)	6. (B)	7. (B)	8. (B)	9. (A)	10. (A)
11. (B)	12. (B)	13. (C)	14. (B)	15. (D)	16. (A)	17. (B)	18. (A)	19. (C)	20. (B)
21. (B)	22. (A)	23. (B)	24. (C)	25. (A)	26. (C)	27. (D)	28. (B)	29. (C)	30. (B)
31. (B)	32. (A)	33. (C)	34. (D)	35. (A)	36. (B)	37. (C)	38. (C)	39. (D)	40. (A)
41. (C)	42. (B)	43. (D)	44. (B)	45. (D)	46. (C)	47. (A)	48. (A)	49. (B)	50. (C)
51. (A)	52. (B)	53. (C)	54. (A)	55. (A)	56. (A)	57. (D)	58. (D)	59. (D)	60. (B)
61. (B)	62. (A)	63. (C)	64. (D)	65. (D)	66. (D)	67. (D)	68. (B)	69. (B)	70. (A)
71. (A)	72. (B)	73. (B)	74. (D)	75. (A)	76. (A)	77. (B)	78. (A)	79. (A)	80. (C)
81. (C)	82. (B)	83. (B)	84. (A)	85. (B)	86. (B)	87. (B)	88. (C)	89. (A)	90. (C)
91. (D)	92. (C)	93. (C)	94. (B)	95. (C)	96. (D)	97. (A)	98. (B)	99. (B)	100. (C)
101. (B)	102. (C)	103. (B)	104. (D)	105. (B)	106. (D)	107. (A)	108. (C)	109. (C)	110. (A)
111. (A)	112. (B)	113. (C)	114. (B)	115. (C)	116. (B)	117. (C)	118. (A)	119. (B)	120. (A)
121. (C)	122. (D)	123. (C)	124. (C)	125. (A)	126. (B)	127. (D)	128. (B)	129. (A)	130. (B)
131. (A)	132. (B)	133. (A)	134. (D)	135. (B)	136. (D)	137. (A)	138. (A)	139. (B)	140. (C)
141. (A)	142. (D)	143. (A)	144. (A)	145. (A)	146. (B)	147. (D)	148. (A)	149. (B)	150. (D)
151. (B)	152. (C)	153. (B)	154. (A)	155. (D)	156. (D)	157. (D)	158. (D)	159. (D)	160. (D)
161. (D)	162. (D)	163. (D)	164. (D)	165. (A)	166. (A)	167. (A)	168. (D)	169. (D)	170. (D)
171. (A)	172. (A)	173. (D)	174. (D)	175. (D)	176. (B)	177. (D)	178. (C)	179. (A)	180. (D)
181. (C)	182. (A)	183. (D)	184. (D)	185. (C)	186. (C)	187. (A)	188. (B)	189. (A)	190. (D)
191. (C)	192. (D)	193. (D)	194. (D)	195. (D)	196. (A)	197. (C)	198. (D)	199. (C)	200. (D)
201. (D)	202. (B)	203. (D)	204. (A)	205. (B)	206. (B)	207. (C)	208. (A)	209. (D)	210. (B)
211. (D)	212. (C)	213. (D)	214. (C)	215. (C)					

REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA

Scanned with CamScanner